mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-270 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 सितंबर 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रविचंद्रन अश्विन ने...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हमने कभी इंडिया आउट नीति नहीं अपनाई है...

भारत दौरे से पहले बदले मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के सुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के भारत के प्रति सुर बदल गए हैं। मुइज्जू ने कहा कि उन्होंने कभी भी 'इंडिया आउट' नीति का पालन नहीं किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने भारतीय सैनिकों को मालदीव छोड़ने का आदेश दिया, क्योंकि विदेशी सेना की मौजूदगी गंभीर समस्या है और उनके देश के लोग विदेशी सैनिक अपनी जमीन पर नहीं चाहते हैं। मुइज्जू ने ये बातें अपने भारत दौरे के कुछ समय पहले कही हैं। मालदीव के राष्ट्रपति अगले महीने, अक्टूबर में दिल्ली आ सकते हैं। मुइज्जू ने

मालदीव के समाचार पोर्टल से बातचीत में कहा, 'हम कभी भी किसी एक देश के खिलाफ नहीं रहे हैं। हमने कभी इंडिया आउट की बात नहीं की लेकिन ये बात है कि मालदीव के लोग अपनी जमीन एक भी विदेशी सैनिक नहीं चाहते और इस भावना का हमने सम्मान किया। मोहम्मद मुइज्जू इस समय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका में हैं। मुइज्जू की आधिकारिक यात्रा जो सितंबर में नपीं हो सकी थी। अब अगले महीने की योजना बनाई जा रही है। सूत्रों ने कहा कि यह अक्टूबर के दूसरे सप्ताह की शुरुआत में हो सकती है। हालांकि, दोनों पक्ष अभी भी सबसे अच्छी पारस्परिक रूप से सुविधाजनक उपलब्ध तिथियों पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस ने जारी किया 'हाथ बदलेगा हालात' मेनिफेस्टो

- किसानों-महिलाओं और युवाओं से पार्टी ने किए बड़े वादे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने शनिवार को चंडीगढ़ में अपना विस्तृत घोषणापत्र 'हाथ बदलेगा हालात' जारी किया। इस घोषणापत्र में किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और युवाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया गया है। घोषणापत्र को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदय भान की उपस्थिति में जारी किया गया। 40 पन्नों के इस घोषणापत्र में 25 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। महिलाओं

को हर महीने 2,000 रुपये और सतलुज-यमुना लिंक नहर से पानी लाने का वादा किया गया है। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 5 अक्टूबर को होंगे और नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। कांग्रेस ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले 700 से अधिक किसानों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर राज्य में पुरानी पेंशन योजना लागू करने का भी वादा किया है। इस महीने की शुरुआत में कांग्रेस ने सात गारंटी पूरी करने की घोषणा की थी।

आतंकियों ने हिमाकत की....

... तो मोदी पाताल में भी खोज निकालेगा

जम्मू में गरजे पीएम मोदी

बोले-आतंक के आकाओं को यह पता है

पीएम बोले- यह नया भारत है, जो आतंकियों से सख्ती से निपटता है

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों के नेता जोर शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य में तीसरे चरण के चुनाव के प्रचार के लिए जम्मू पहुंचे। यहां पर एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शुरुआत में कहा कि ये चुनाव जम्मू-कश्मीर का भविष्य चुनने के लिए है। आज शहीद वीर सरदार भगत सिंह की जन्म जयंती भी है। देश के करोड़ों युवाओं की प्रेरणा, भगत सिंह जी को मैं श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू का बहुत बड़ा हिस्सा बॉर्डर से सटा है। आप वो दौर याद कीजिए, जब सीमापार से आए दिन गोले बरसते थे, आए दिन मीडिया में ब्रेकिंग न्यूज चलती थी कि एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन हुआ है। उधर से फायरिंग होती थी और कांग्रेस वाले सफेद झंडा दिखाते थे लेकिन जब बीजेपी की सरकार ने गोली का जवाब गोले से देना शुरू किया तो उधर वालों के होश ठिकाने आ गए। पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर भी बयान दिया।

कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़, दो आतंकी ढेर

4 सुरक्षाकर्मी घायल

- इनमें 3 सेना के जवान और एक एएसपी, ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोपहर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी। सेना के 3 जवान और

कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं। चारों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार सुबह 7.05 बजे ङ्क पर पोस्ट के जरिए मुठभेड़ की जानकारी दी। बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

हरियाणा में योगी ने कांग्रेस को ठहराया विभाजन-आतंकवाद का जिम्मेदार

मंदिर के लिए हिंदू लड़े 76 लड़ाइयां

- बोले- 370 हटने के बाद मौलवी कहते हैं राम-राम,

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को फरीदाबाद पहुंचे। फरीदाबाद के विधान सभा क्षेत्र में चुनावी प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को देश के विभाजन के लिए और आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया। योगी आदित्यनाथ ने कहा- जम्मू-कश्मीर से 370 हटने के बाद अब मौलवी भी राम-राम कहते हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए हिंदुओ ने 76 लड़ाइयां लड़ी हैं। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने हरियाणा में कांग्रेस की पिछली सरकारों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में भू-माफिया सक्रिय थे लेकिन भाजपा ने विकास के नए आयाम स्थापित किए। योगी आदित्यनाथ की रैली में लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह रामलला की धरती से फरीदाबाद पहुंचे हैं। उन्होंने कहा- लाखों हिन्दू,सिखों ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए बलिदान दिया। मगर कांग्रेस ने विवाद खड़ा करवाकर राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस जिस विवाद का समाधान 65 साल में नहीं करवा पाई, उसे पीएम मोदी ने समाप्त कर दिया।

ओडिशा के भद्रक में 48 घंटो के लिए इंटरनेट-ब्रॉडबैंड बैन

- सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हिंसा भड़की थी, धारा 163 लगाई गई

भद्रक (एजेंसी)। ओडिशा के भद्रक जिले में शनिवार को प्रशासन ने 48 घंटे के लिए इंटरनेट और ब्रॉडबैंड सर्विस पर बैन लगा दिया। दरअसल, एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एक समुदाय प्रदर्शन कर रहा था। आरोपी के

खिलाफ कार्रवाई में देरी से नाराज एक समुदाय के लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद प्रशासन ने 30 सितंबर सुबह दो बजे तक भद्रक जिले में इंटरनेट सेवा पर बैन लगा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि एक युवक ने समुदाय विशेष के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शिकायत के बाद भी प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की। विरोध में लोगों ने एक रैली निकाली।

इजरायली हमले में ढेर हुआ हिजबुल्ला चीफ नसरल्ला

बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्यालय में नसरल्लाह को बनाया निशाना

बड़ा झटका,इजरायल ने खत्म कर दी हिजबुल्लाह की टॉप लीडरशिप

तेल अवीव/बेरूत (एजेंसी)। इजरायल ने हवाई हमले में चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह को मार दिया है। इजरायली ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हमले में हसन नसरल्लाह के साथ हिजबुल्लाह के कई शीर्ष कमांडर भी मारे गए हैं। नसरल्लाह की हत्या ईरान समर्थित लेबनानी मिलिशिया के लिए बड़ा झटका होगी। नसरल्लाह ने 32 वर्षों तक हिजबुल्लाह का नेतृत्व किया है। हाल ही में इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के अधिकांश शीर्ष कमांडर मारे गए हैं। इन हमलों के बाद से संगठन की आंतरिक सुरक्षा पर सवाल उठे हैं, लेकिन नसरल्लाह की जगह लेना इन मौतों की तुलना में समूह के लिए कहीं अधिक बड़ी चुनौती होगी। बेरूस में कार्नेगी मिडिल ईस्ट सेंटर के डिप्टी रिसर्च डायरेक्टर मोहनद हेज अली ने नसरल्लाह की मौत की पुष्टि से पहले टाइम्स ऑफ इजरायल को बताया था कि इस हत्या से पूरा परिदृश्य बहुत बदल जाएगा। हेज अली ने कहा कि नसरल्लाह एक गोंद की तरह है, जिसने इस विशाल संगठन को एक साथ रखा है।

बेंगलुरु कोर्ट का निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर का आदेश

- इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप,कर्नाटक सीएम ने इस्तीफा मांगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की एक स्पेशल कोर्ट ने 27 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वित्त मंत्री पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है। जनाधिकार संघर्ष परिषद के आदर्श अय्यर ने बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। अदालत ने बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को होगी। अप्रैल 2024 में की थी शिकायत, जेपी नड्डा का भी नाम जनाधिकार संघर्ष परिषद ने अप्रैल में 42वीं कोर्ट में दायर याचिका में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, नलिन कुमार कटील, बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी।

बिहार में कोसी का रौद्र रूप, दहशत में लाखों लोग

- 1968 के बाद सबसे अधिक जलस्तर,सभी 56 फाटक खुले
- कोसी नदी में 6.8 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की आशंका

पटना (एजेंसी)। नेपाल में मूसलाधार बारिश के कारण कोसी नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। 1968 के बाद पहली बार कोसी बराज के सभी 56 फाटक खोल दिए गए हैं, जिससे 6,81,639 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। नेपाल से मिले त्राहिमाम संदेश के बाद बिहार और झारखंड के साहेबगंज जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी जारी किया है। प्रशासन की ओर से दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। जल संसाधन विभाग के अनुसार नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र और उत्तर बिहार में हो रही भारी बारिश के चलते राज्य में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम कोसी नदी में 6.8 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की आशंका है। पानी की यह मात्रा पिछले 56 सालों में सबसे अधिक होगी। वहीं, गंडक नदी में आज 31 वर्ष बाद छह लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा सकता है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने अगले 48 घंटों का अलर्ट जारी किया है। कोसी नदी में रिकॉर्ड डिस्चार्ज की आशंका को देखते हुए सुपौल जिला प्रशासन ने तटबंधों के अंदर और उसके आस-पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। इधर, भीमनगर कोसी बराज के सभी 56 फाटक खोल दिए गए हैं। सहरसा जिले में कोसी के जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुये जिले के सिमरी बख्तियारपुर और सलखुआ प्रखंडों के तटवर्ती क्षेत्रों में लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है।

गंडक नदी में भी 6 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जाएगा

छा गई वंदे भारत ट्रेन! विदेशों में बढ़ी खरीद की मांग

- कनाडा समेत कई देश खरीदना चाहते हैं वंदे भारत,डिजाइन-लागत में बेहतर
- 52 सेकंड में 100 किमी की रफ्तार,बुलेट ट्रेन इसके लिए 54 सेकंड लेती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिली, कनाडा, मलेशिया जैसे देशों ने भारत से वंदे भारत ट्रेनें खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इसका सबसे बड़ा कारण इसकी लागत है। भारत में वंदे भारत को 120 से 130 करोड़ रुपए की लागत में बन रही है। जबकि ऐसी ही ट्रेनों की लागत 160-180 करोड़ रुपए है। बात अगर स्पीड की करें तो वंदे भारत आगे है। वंदे भारत को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सिर्फ 52 सेकंड लगते हैं। जबकि जापान की बुलेट ट्रेन इसके लिए 54 सेकंड लेती है। वंदे भारत का डिजाइन भी विदेशी ट्रेनों की तुलना में बेहतर है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक प्लेन की तुलना में सौ गुना कम शोर होता है, ईंधन की खपत भी बहुत कम है। भारतीय रेलवे भी अपने ट्रैक नेटवर्क और ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत पहली बार 15 फरवरी 2019 को मेक इन इंडिया स्कीम के तहत की गई थी। इस समय देश में 102 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों का रूट देश के 280 से अधिक जिलों को आपस में जोड़ रहा है। 10 साल में 31 हजार से ज्यादा रेलवे ट्रैक जोड़े गए- रेल मंत्री रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले 10 साल में 31000 किमी से ज्यादा ट्रैक जोड़े गए हैं। 40 हजार किमी के ट्रैक और जोड़े जाने हैं। वैष्णव ने बताया कि बुलेट ट्रेन पर काम तेजी से चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में नागरिकों की मृत्यु पर किया शोक व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में महाराजवाड़ा स्कूल के समीप दीवार गिरने से नागरिकों की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को मलबे में दबे नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू करने और घायलों के समुचित उपचार के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा को श्री चरणों में स्थान और शोकाकुल परिजन को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिला प्रशासन को मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता राशि देने के निर्देश दिये हैं। साथ ही घायलों के उपचार की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है।

राजस्व न्यायालय के पीठासीन अधिकारियों के संरक्षण संबंधी निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने सभी संभागायुक्तों, जिला कलेक्टरों को निर्देशित कर स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 31 या किसी विधिक प्रावधानों के अंतर्गत अर्द्धन्यायिक या न्यायिक कार्यवाही कर रहे राजस्व न्यायालय के सभी पीठासीन अधिकारी न्यायाधीश (संरक्षण) अधिनियम, 1985 की धारा-2 के अंतर्गत न्यायाधीश% हैं। उन्हें, ऐसी अर्द्धन्यायिक या न्यायिक कार्यवाही के दौरान किये गये किसी कार्य के विरुद्ध सिविल अथवा दाण्डिक कार्यवाही से अधिनियम की धारा-3 (2) के अधीन रहते हुए, संरक्षण प्राप्त है। प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक कुमार पोरवाल ने इस संबंध में सभी संभागायुक्त और जिला कलेक्टर्स को परिपत्रों का पालन करने के लिये लिखा है।

जीओसी एमजी एंड जी एरिया लेफ्टिनेंट जनरल ने ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जीओसी एमजी एंड जी एरिया ले. जनरल पवन चड्ढा, वीएएम ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक भोपाल का निरक्षण किया और पॉलीक्लीनिक द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाली चिकित्सा सेवाओं की सरहना की। साथ में जीओसी ने आश्वासन दिया कि एरिया हेडक्वार्टर्स पॉलीक्लीनिक को और आधुनिक सुविधाओं के लिए पूरा सहयोग प्रदान करेगा, जिससे हमारे भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवार को सारी मूलभूत चिकित्सा सेवाएं एक ही जगह प्राप्त हो सके।

पर्यटकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए- राज्य मंत्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने आज विदिशा के पुरातत्वीय स्थल हेलियोडोरस और उदयगिरी पहाड़ी की गुफाओं का भ्रमण किया है। इस दौरान उन्होंने गुफाओं में निर्मित शिलालेखों तथा पत्थर पर उकेरी गई प्राचीन मूर्तियों का भी अवलोकन किया। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर लोगों को उनके निकट के पर्यटन स्थल जाने और वहां की संस्कृति और इतिहास से परिचित होने की प्रेरणा देने के लिए यह पहल की है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने उदयगिरी में पहुंचने वाले पर्यटको की सुविधाओं की दृष्टि से प्रबंधों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटको की सुविधाओं का ध्यान रखा जाए और बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

मरीज मनीष यादव को किया गया भर्ती, इलाज जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। डीन मेडिकल कॉलेज रीवा डॉ. सुनील अग्रवाल ने बताया कि मरीज श्री मनीष यादव फेशियो स्कैपुलोह्यूमरल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (एफएसएचडी) से पीड़ित हैं, जो एक आनुवांशिक रोग है और वर्तमान चिकित्सा पद्धति में इसका कोई स्थायी इलाज उपलब्ध नहीं है। हालांकि, मरीज की स्वास्थ्य दशा स्थिर रखने के लिए फिजियोथेरेपी और अन्य आवश्यक उपचार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। डीन डॉ. अग्रवाल ने बताया कि सितंबर 2021 में मरीज को एम्स दिल्ली में भर्ती किया गया था और इस बीमारी के संबंध में मरीज और उनके परिजन को बताया गया था। इसके बाद अप्रैल 2023 में मेदांता हॉस्पिटल, गुड़गांव में भी मरीज की जांच में उन्हीं तथ्यों की पुनः पुष्टि हुई। वर्तमान में श्री मनीष यादव, मेडिकल कॉलेज रीवा के मेडिसिन आईसीयू एसपीडबल्यू, में भर्ती हैं। श्री यादव को आवश्यकतानुसार उपचार सेवाएं दी जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि फेशियो स्कैपुलोह्यूमरल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (एफएसएचडी) एक प्रकार की मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जो आनुवांशिक बीमारी है और मांसपेशियों के क्षरण और प्रगतिशील कमजोरी का कारण बनता है।

यौन अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में डीजीपी श्री सुधीर सक्सेना ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में यौन अपराधों की प्रभावी रोकथाम ,यौन अपराधियों की सघन जांच और यौन अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए कार्रवाई हेतु सभी पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। वीसी में प्रदेश के सभी जोनल आईजी/एडीजी भोपाल एवं इंदोर कमिश्नरेट के आयुक्त, सभी जिलों के एसपी तथा इंदौर और भोपाल के पुलिस उपायुक्त सम्मिलित रहे। डीजीपी श्री सक्सेना ने निर्देशित किया की आज से ही लैगिंक अपराधों में संलिप्त रहे लोगों के विरूद्ध अभियान चलाकर प्रदेश के सभी थाना क्षेत्रों में विगत दस वर्षों में इस तरह के अपराधों में लिप्त रहे लोगों की सघन जाँच एवं निगरानी सुनिश्चित करें।

पुलिस के विभिन्न डाटा बेस से यौन अपराधियों विशेषतः एक से अधिक बार इस तरह के अपराध को अंजाम देने वाले अपराधियों की जानकारी प्राप्त करें । यदि वे अपना क्षेत्र छोड़कर अन्यत्र कहीं भी निवास कर रहे हों तो संबंधित पुलिस थाने को जानकारी दे ताकि उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा सके। डीजीपे ने कहा कि अपने-अपने थाना क्षेत्र में ऐसे अपराधियों की कोई भी गतिविधी या आचरण संदिग्ध या संदेहास्पद पाए जाने पर हिदायत दें एवं आवश्यक होने पर बॉउन्ड ओवर सहित विधि अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। पुनरावृत्तिकर्ता अपराधियों की हिस्ट्रीशीट आवश्यक रूप से तैयार करें तथा आदतन अपराधियों पर विशेष नजर रखें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार पॉस्को एक्ट तथा अन्य यौन अपराधों संबंधित फास्ट ट्रेक कोर्ट में चल रहे मामलों के त्वरित निराकरण के लिए निरंतर फॉलोअप लें तथा डीपीओ और अन्य संबंधित अधिकारियों से सतत् संपर्क कर पीड़ित को त्वरित न्याय तथा अपराधी को कड़ी सजा दिलाने के लिए सार्थक प्रयास करें। डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि प्रदेश के सभी स्कूलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा के संबंध में जारी गाइडलाइन के अनुरूप जिला प्रशासन के सहयोग से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों के समस्त स्टॉफ का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्यतः कराया जाए। साथ ही स्कूल परिसर के आसपास के लोगों तथा रास्तों पर भी सजग चौकसी रहे। परिसर/वाहनों में सीसीटीवी कैमरों का चालू रहना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि/संदेहास्पद व्यक्ति पाया जाने पर नजरअंदाज न करें, पूरी जाँच पड़ताल कर आवश्यक कदम उठाएं।

डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि सभी मैदानी पुलिस अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जिला प्रशासन, नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा करें तथा वहां विशेष सर्तकता बरतें। बीट प्रणाली को सुदृढ़ कर असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उन पर नियमानुसार कार्रवाही करें।

उन्होंने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण निकायों से समन्वय कर सीसीटीवी कैमरा लगवाने का प्रयास करें। ड्रिंक एण्ड ड्राइव पर प्रभावी अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करें। डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि इस तरह के अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ समाज की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। अतः पुलिस आमजन से सतत् संवाद कायम रखे। उन्होंने कहा कि रहवासी संघो (हाउसिंग सोसायटी)/मल्टी स्टोरिज में महिला/बाल सुरक्षा को लेकर रहवासियों को संवेदनशील करें।

नशा मुक्त भारत में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नशे की लत को नियंत्रित करने और नशा पीड़ितों के पुनर्वास के लिये मध्यप्रदेश में व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशीली दवाओं की मांग में कमी लाने हेतु राष्ट्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत प्रदेश के 31 जिलों में सेन्टर की स्थापना की जाएगी। यह कदम नशामुक्त भारत अभियान को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने बताया कि यह पहल प्रदेश के उन जिलों में की जा रही है, जिन्हें नशा मुक्ति के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इन जिलों के शासकीय जिला चिकित्सालयों में एटीएफ सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, जहां नशा पीड़ितों के उपचार के लिए समर्पित वार्ड बनाए जाएंगे। वार्ड में 10 बेड आरक्षित रहेंगे, जिनका उपयोग नशा पीड़ितों के उपचार में होगा। आवश्यकता से अधिक बेड उपलब्ध होने पर सामान्य मरीजों के लिए भी बेड का उपयोग किया जा सकेगा। मंत्री श्री कुशवाह ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत, प्रदेश में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2024 के बीच इन एटीएफ सेन्टर्स की स्थापना अनिवार्य रूप से की जाएगी। इसके लिए सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि वे मेडिकल वार्ड में आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करें और नशा पीड़ितों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था करें। प्रदेश के 31 जिले आगर-मालवा, अलीराजपुर, अनुपपूर, अशोकनगर, बडवानी, बैतूल, बुरहानपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, देवास, धार, हरदा, झाबुआ, कटनी, खरगौन, मण्डला, निवाड़ी, श्योपुर, उज्जैन, राजगढ़, शहडोल, शिवपुरी, सीधी, सिंगरौली, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, उमरिया, मऊगंज, मेहर एवं पार्डुना में एटीएफ सेंटर प्रारंभ होंगे। ये सेंटर नशा मुक्त भारत अभियान को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। एटीएफ सेन्टरों की स्थापना के संबंध में एनडीडीटीसी और एम्स नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजे गए हैं, जो केंद्र सरकार की गाइडलाइन्स के तहत होंगे।

हर्षोल्लास से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पल को खास व यादगार बनाने के लिये शहरभर में विभिन्न सांस्कृतिक, रोमांचक व मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। पर्यटन दिवस की शुरुआत वोट क्लब पर योग, जुंबा और साइक्लोथन से हुई।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने %पर्यटन और शांति% की थीम पर आधारित कई रोमांचक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। योग, जुम्बा और साइक्लोथॉन जैसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ रहने और पर्यटन के महत्व को समझाने का प्रयास किया गया। सुबह 6 बजे से 300 से अधिक लोगों ने योग और जुंबा सत्र में

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लाभ लेने के साथ मजेदार डांस फॉर्म के माध्यम से मनोरंजन किया और एक-दूसरे के साथ मेल-जोल भी बढ़ाया। सुबह 8 बजे बोर्ड क्लब से साइक्लोथॉन में 500 से अधिक लोगों ने साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और साथ ही शहर के विभिन्न स्थलों को देखा। इसके अलावा गोल घर में चित्रकला, रंगोली, पुष्प सजाबट व मेहंदी प्रतियोगिता हुई। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में दोपहर को इस प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम घोषित किये गए। जिसके बाद भोपाल विविधा अकादमी ने गणेश वंदना व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। समापन अवसर पर पर्यटन एवं शांति संदेश देने के लिये सफेद एवं नीले गुब्बारें

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने ऐशबाग आरओबी निर्माण में आ रही अड़चनों को लेकर ली अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मेट्रो, रेलवे एवं लोक निर्माण सेतू विभाग के अधिकारियों की बैठक कर उनमें समन्वय करते हुए नरेला विधानसभा अंतर्गत ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में आ रही अडचनों को दूर किया। मंत्री श्री सारंग ने बैठक में रेल्वे क्रॉसिंग क्रमांक 250 ऐशबाग स्टेडियम के पास बन रहे मेट्रो रूट एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाये जा रहे आरओबी के अलाइनमेंट को आपसी समन्वय एवं रेल्वे ओवरब्रिज पर रेलवे के सहयोग से स्लेब की चौड़ाई को मेट्रो रूट की ओर से कम कर रेल्वे ट्रैक की ओर बढ़ाने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी रेल्वे विभाग से समन्वय स्थापित कर रेल्वे द्वारा रेल्वे पोर्शन में बनाए जा रहे स्लैब की डिजाइन को यातायात की आवश्यकतानुसार रेल्वे के जबलपुर स्थित वरिष्ठ अधिकारियों से निश्चित समयावधि में स्वीकृत कराएं। मेट्रो के अधिकारी रेल्वे और लोक निर्माण विभाग इस संयुक्त प्रस्तावित ड्रांइग पर सहमत हैं।

बैठक में रेल्वे विभाग से सीपीएम श्री मीणा, मेट्रो से श्री हरिओम शर्मा और ब्रिज डिवीजन भोपाल से श्री रविशुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बरखेड़ी फाटक के पास पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाये जा रहे ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज के पास से मेट्रो रूट का लगभग 1 मीटर हिस्सा आ रहा था। मंत्री श्री सारंग ने पीडब्ल्यूडी, मेट्रो एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर स्लैब के नवीन डिजाइन पर चर्चा की। स्लैब की नई डिजाइन में आरओबी के अलाइमेंट की चौड़ाई को मेट्रो रूट से लगभग 1 मीटर कम कर रेलवे ट्रेक की ओर से बढ़ाया जायेगा। इससे लागत में भी वृद्धि नहीं होगी और निश्चित समयावधि में कार्य पूर्ण हो जायेगा। उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा अभी तक स्लैब कास्टिंग का कार्य नहीं किया गया है। जिससे आसानी से आरओबी को रेलवे ट्रेक की ओर शिफ्ट किया जा सकता है। जिसमें शासन को अतिरिक्त व्यय नहीं करना होगा।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से देवास के तीन व्यक्तियों को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन क्षेत्र के गरीबों के लिये स्वयं का व्यवसाय शुरू करने में काफी मददगार साबित हुई है। इस योजना का देवास में तीन व्यक्तियों को जो लाभ मिला उससे उनकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ी है। रूप सिंह वर्मा देवास शहर में एक छोटी से दुकान में जूते चप्पल का व्यवसाय चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण मुश्किल से कर पा रहे थे। वे हमेशा सोचा करते थे कि अपने व्यापार को किस तरह बढ़ाये उनके सामने सबसे बड़ी समस्या पूंजी की थी। उन्हें देवास नगर निगम की डीएवाय-एनयूएलएम जानकारी मिली। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद उनका प्रकरण तैयार हुआ और उन्हें राष्ट्रीयकृत बैंक से दो लाख रूपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने अपनी दुकान में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक रखा और उनकी दुकान पहले के मुकाबले अच्छी चलने लगी। आज उन्हें प्रतिमाह औसत रूप से 18 हजार रूपये की आमदनी हो जाती है।

मधुबाला - देवास शहर की रहने वाली मधुबाला एक छोटा सा जनरल स्टोर चलाकर सीमित रूप से आमदनी प्राप्?त कर रही थी। मधुबाला भाट को स्व-रोजगार योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने नगर निगम देवास में आवेदन दिया। उनके प्रकरण में भी दो लाख रूपये की राशि मंजूर हुई। इसके बाद उनके दुकान में सामान की वेरायटी होने के कारण ग्राहकों की संख्या में इजाफा हुआ। मधुबाला बताती है कि उन्हें प्रतिमाह 15 से 20 हजार रूपये की आमदनी हो रही है। वे नियमित रूप से बैंक ऋण की किश्त भी चुका रही है।

मध्यप्रदेश के प्राणपुर, सावरवानी और लाड़पुरा खास बने देश के 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम - केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की सर्वश्रेष्ठ ग्राम पर्यटन प्रतियोगिता में एक बार फिर मध्यप्रदेश ने अपना परचम लहराया है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के मौके पर मध्यप्रदेश के प्राणपुर, सावरवानी और लाड़पुरा खास को देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम घोषित किया गया है। प्राणपुर को पारंपरिक चन्देरी क्राफ्ट श्रेणी और सावरवानी व लाड़पुरा खास को रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म श्रेणी में चुना गया है। शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुए समारोह में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने ग्रामीण प्रतिनिधियों के साथ यह सम्मान ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम

प्रतियोगिता केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा सांस्कृतिक व प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखते हुए समुदाय आधारित मूल्यों व जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। देश भर से कुल 900 गांवों से प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी, जिसमें से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के लिये 36 गांवों का चयन किया गया।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। साथ ही केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन के ग्रामीण पर्यटन के विकास के क्षेत्र में किया जा रहे प्रयासों को सराहने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय रोजगार बढ़ेगा व गांव की अर्थव्यवस्था का विकास होगा। गांवों में प्राचीन कला, शिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों तक यह धरोहर सुरक्षित रहेगी।

प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि हमें गर्व है कि प्रदेश के प्राणपुर, सावरवानी और लाड़पुरा खास ग्राम को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता में चयनित किया गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

तीन सड़कें... जो अपने दायरे में दरों को ही नहीं, 3 हजार दिलों को भी जोड़ रही हैं...

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दूर तक घना जंगल। बिखरे-बिखरे से गांव। गर कहीं जाना हो, तो अगले दिन सूरज उगने का इंतजार करना पड़ता था, क्योंकि शाम हो जाने के बाद तो घर से निकलना मुश्किल था। एक तो बियाबान कच्चा रास्ता, घुप्प अंधेरा, डरावना सा जंगल और उसमें रहने वाले जंगली जानवरों का भी खौफ। शाम और रात को अपने घरों में बंद हो जाना ही उनका जीवन था। यही पीढ़ा थी, उन बैगा परिवारों की, जो बालाघाट जिले के परसवाड़ा ब्लॉक के सुदूरस्थ छोटे-छोटे गांवों और मंजरे टोलो में रहते थे। पर अब इनके दिन वैसे नहीं रहे। बिखरे-बिखरे से गांवों को जोड़ने के लिये 3 सड़कें इन बैगा परिवारो के जीवन में एक नया उजाला लेकर आईं। बैगा समुदाय विशेष रूप से पिछड़े और

कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) में आते हैं। इसलिए उनकी बसाहट क्षेत्र में पीएम जन-मन योजना से कई विकास कार्य हो रहे हैं। बालाघाट जिला पीएम जन-मन में शामिल है। यहां के परसवाड़ा ब्लॉक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 3 सड़कें बनाई गई हैं। नाटा से पांडाटोला (4.85 किमी), बड़गांव से साल्हे (4.50 किमी) और पांडाटोला से बीजाटोला (0.811 किमी), यही वो 3 सड़कें (कुल लंबाई 10.16 किमी) हैं (जो पहले पगडंडिया हुआ करती थीं), इन्होंने बैगा परिवारों के कष्टमय सफर को अब आसान बना दिया। इसमें पांडाटोला से बीजाटोला तक बनी 811 मीटर सड़क पीएम जन-मन योजना में रिकार्ड 164 दिनों में हुई। इसका निर्माण इसी साल 16 मार्च को शुरू हुआ था और 26 अगस्त को काम पूरा हो गया। यह पीएम जन-मन योजना से बनी संभवतः देश की ऐसी पहली सड़क है, जिसका सीधा लाभ पीवीटीजी के बैगा परिवारों को मिल रहा है। इन 3 सड़कों से क्षेत्र के 30 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले 3 हजार से अधिक बैगा परिवार अब हर वक्त, हर घड़ी, हर मौसम में एक-दूसरे से जुड़ गये हैं। एक रोड बनने से विकास के कई द्वार खुल जाते हैं। इन सड़कों के बनने से क्षेत्र के सारे बैगा परिवार अपने ब्लॉक, जिले, राज्य के साथ पूरे देश से जुड़ गये हैं। ये सड़कें जिन गांवो में बनी हैं, उसके दायरे में आने वाले कई मजरे-टोले हैं, जो इनका उपयोग कर रहे हैं। यह सड़कें डोरली, चकटोला, कातलाबोडी, टिकरिया, कूकड़ा, उरूरगुड्डा, बारिया, डंडईटोला, मोहर, नारवाड़ी सहित घने जंगलों के बीच बसे बैगा परिवारों के लिए विकास का नया रास्ता खोल रही हैं।

करीब 30 किमी के दायरे में रहने वाले करीब 3 हजार से अधिक बैगाजन अब सरकारी राशन दुकानों से राशन पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की बैठक आयोजित

जनजाति बाहुल्य ग्रामों के सर्वांगीण विकास के होंगे प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की समीक्षा बैठक नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आयोजित बैठक में 17 विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित हुये, जिन्हें पी.एम. जनजाति उन्नत ग्राम अभियान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराया गया।

नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जनजाति बाहुल्य ग्रामों और आकांछी जिलों में जनजाति परिवारों के लिए परिपूर्णता लक्ष्य को अपनाकर जनजाति समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु 79156.00 करोड़ रूपये अभियान की मंजूरी दी गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सक्षम बुनियादी ढांचा विकसित करना, आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना, अच्छी शिक्षा तक पहुंच का सार्वभौमीकरण एवं स्वस्थ जीवन और गरिमा पूर्ण वृद्धावस्था व्यतीत करना है। उक्त अभियान के तहत आकांछी जिला सीधी के 134 ग्रामों को सम्मिलित किया गया है। जिसमें सीधी विकासखण्ड के 48, कुसमी विकासखण्ड के 37, मझौली विकासखण्ड के 24, रामपुर नैकिन विकासखण्ड के 11 एवं सिहावल विकासखण्ड के 14 गॉव सम्मिलित हैं।

इस अभियान के तहत सत्रह विभाग क्रमशः ग्रामीण विकास विभाग, जलशक्ती विभाग, विद्युत विभाग, नवीन एवं नवीकरणीय, उर्जा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, जिला आयुष विभाग, दूरसंचार विभाग, कौशल विकास एवं उद्यमिता, इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, पंचायती राज विभाग एवं पर्यटन विभाग सम्मिलित हैं। बैठक में इन विभागों की कार्य योजना के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई, इसके अतिरिक्त जनजातीय क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के आधार पर तथा राज्यों एवं अन्य हितधारकों के साथ विचार विमर्स के बाद जनजातीय और वनवासी समुदायों के बीच अजीविका को बढ़ावा देनें एवं आय अर्जित करनें के लिए कुछ नवीन योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही संभावित तिथि 02 अक्टूबर को आयोजित होने वाले पी.एम.जनजाति उन्नत ग्राम अभियान मेगा इवेन्ट के आयोजन के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में जिला नोडल अधिकारी के अतिरिक्त जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. डी.के. द्विवेदी तथा इस अभियान से जुड़े सत्रह विभागों के अधिकारी, जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, शाखा प्रभारी उपस्थित थे।

स्थानांतरण आदेश के एक वर्ष बाद भी मुक्त नही हुए पटवारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राज्य शासन के आदेश पर पटवारियों के स्थानांतरण तो हो गए, लेकिन तहसील कार्यालय से उन्हें रिलीव नहीं किया गया। इसी कारण नए पटवारी कार्यभार नही ले पाए हैं। बताया गया कि 7 जुलाई 2023 को कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख सीधी के आदेश क्रमांक 828 के आधार पर 24 पटवारियों को स्थानांतरित किया गया था। वहीं चर्चा के आधार पर बताया गया कि ये निजी स्वार्थो की पूर्ति कर आज भी अपने पद पर यथावत बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल के परिपत्र कमांक एफ 6-1/2021/1/9 भोपाल, 14 जून 2023 में निहित निर्देशानुसार प्रभारी मंत्री के अनुमोदन उपरान्त 24 पटवारियों को प्रशासनिक आधार पर स्थानान्तरित किया जाकर नवीन स्थान में पदस्थ किये जाने का आदेश पारित किया गया था। वहीं आज एक वर्ष बाद भी उक्त आदेश की खुली अवहेलना की जा रही है।

इन पटवारियों का हुआ था स्थानांतरण - कार्यालय कलेक्टर भू.अभिलेख सीधी के आदेश 07 जुलाई 2023 के आधार पर 24 पटवारियों का स्थानांतरण आदेश जारी हुआ था, जिसमें कुछ को छोड़कर शेष पटवारियों द्वारा उक्त आदेश का पालन नही किया गया है। जारी आदेश के आधार पर राजीव तिवारी, कुशमाकर प्रसाद मिश्रा, ओम प्रकाश पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, उत्तम सिंह, डिगनलाल सिंह टेकाम, लक्ष्मण प्रसाद साक्यवाल, केशव उपाध्याय, अतुल उपाध्याय, सुनील पटेल, लक्ष्मण प्रसाद रावत, विकास कुमार पाण्डेय, नंदराम सिंगाड़, रविशंकर शुक्ला, दीपचन्द्र साहू, विनोद पटेल, नीलोत्पल शर्मा, लालता प्रसाद कारपेन्टर, विमला विश्वकर्मा, मुकेश त्रिपाठी, रामखेलावन जायसवाल, खुशबू सिंह, बाल्मीक विश्वकर्मा, शिवम् मिश्रा का स्थानांतरण आदेश तत्काल प्रभाव से करने की बाद की गयी थी।

इनका कहना है: एक वर्ष बाद भी जिन पटवारियों के रिलीव नही किया जा सका है, इसकी जॉच कराई जायेगी। साथ ही जल्द ही विधिक कार्रवाई हेतु तहसीलदार को निर्देशित किया जाएगा। राज्य शासन के आदेश पर हुए स्थानांतरण को किसी भी हाल में रोका नहीं जा सकता।
नीलेश शर्मा, एसडीएम गोपदबनास सीधी।

महिला ने लगाईं फांसी, पुलिस ने शव पीएम के लिए भेजा, मामले की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के अमिलिया थाना अंतर्गत ग्राम रामपुर में शनिवार को एक महिला की फांसी के फंदे में लटकी हुई लाश मिली है। जानकारी लगते ही परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार रोजाना की तरह महिला गृह कार्य कर मजदूरी करने चली जाती थी। लेकिन शनिवार को पति के काम पर जाने के बाद सुशीला कोल पति राजेश कोल (40) ने अपने ही घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जब वापस पति राजेश कोल दोपहर 1 बजे आया तो उसने देखा कि उसकी पत्नी घर के अंदर फंदे से लटकती दिखाई दी। हल्ला गुहार मचाया तो आस पड़ोस के लोगों का हुजूम इकट्ठा हो गया। जिसकी जानकारी तत्काल सिंहावल पुलिस को दी गई। जहां पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने शव को नीचे उतरकर कर पीएम के लिए मॉर्चुरी हाउस सिहावल भेजा दिया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी: सिहावल चौकी प्रभारी शेषमणि मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया है कि मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। अब कार्रवाई में लगी हुई है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

17 पंचायतें टीवी रोग से मुक्त

सरपंच और सचिव को जिला अस्पताल में किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले की 17 ग्राम पंचायतों को प्रधानमंत्री टीवी मुक्त पंचायत घोषित किया गया है। जिनमें जिले की ग्राम पंचायत देवगंवा, आमाडांड, चुकान, बकेली, बैहार, कुकुरगोड़ा, मुंडा, सुलकारी अतरिया, बसनिहा बेनीबारी, भेजरी, जरही कछराटोला, करनपठार, लेढरा, नौगंवा शामिल हैं।

इन ग्राम पंचायतो के लगभग 85 क्षय रोग ग्रसित मरीज ठीक हुए हैं। 1 हजार की आबादी के गांव में एक से कम मरीज संख्या होने पर उस ग्राम को टीवी मुक्त माने जाने का पैमाना तय किया गया है। जिले भर में वर्तमान में 737 क्षय रोग के मरीज हैं। जिनका इलाज कर उन्हें टीवी मुक्त करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग कार्य कर रहा है।

टीवी मुक्त पंचायत के सरपंच-सचिव को किया गया सम्मानित

जिले की 17 ग्राम पंचायतों ने टीवी मुक्त पंचायत का खिताब हासिल किया है। इनके सरपंच और सचिव को जिला स्तर पर जिला अस्पताल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस बी अवधिया और क्षय रोग के नोडल अधिकारी डॉ. एस सी राय ने प्रशस्ति पत्र सहित स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अन्य पंचायत को भी टीवी मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। जिससे अनूपपुर जिले को टीवी रोगियों से मुक्त जिला बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान: प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत टीवी रोगियों को निक्षय मित्रों से पोषण सहायता भी दी जाती है। केंद्र सरकार ने 2025 तक टीवी मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है।

इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग ने अब ग्राम पंचायत से संपर्क साधने और टीवी मरीजों के लिए रोजाना खान-पान में पौष्टिक आहार लेने के लिए अस्पताल की बजाय पंचायत के सहयोग से उन्हें मरीजों के घर पर ही पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने पंचायत के समन्वय से जिले के 17 ग्राम पंचायत को टीवी मुक्त बनाने का लक्ष्य साकार हुआ है।

न्यायालय परिसर में मनाई गई शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। न्यायालय परिसर सीधी में शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें भगत सिंह के जीवन पर वरिष्ठ अधिवक्ता लालमणि सिंह एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत तिवारी, शत्रुधन तिवारी, राकेश चतुर्वेदी, श्रद्धा सिंह अपर लोक अभियोजक द्वारा प्रकाश डाला गया। भगत सिंह की जयंती का आयोजन न्यायालय परिसर में पहली बार किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से कृष्ण शरण शुक्ला, सतीष सिंह बाघेल, अशोक कुमार गुप्ता, मानवेन्द्र सिंह, अशोक शर्मा सहित सैकड़ो की संख्या वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता संघ के सचिव विद्याकान्त मिश्रा अधिवक्ता ने किया एवं आभार कार्यक्रम के संयोजक राघवेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने किया। कार्यक्रम के अन्त में मिष्ठान वितरण किया गया।

पुलिस लाइन में हुई मॉक ड्रिल

बलवा के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने पर जोर, पुलिसकर्मियों को मिली खास ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में शनिवार की सुबह 9 बजे पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बलवा मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था।

150 पुलिसकर्मियों ने किया बलवा नियंत्रण का अभ्यास: ड्रिल में सीएसपी अमन मिश्रा, निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा, सूबेदार प्रभा सिलावट सहित जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारी समेत 150 पुलिसकर्मी शामिल रहे। इस अभ्यास के लिए पुलिस की पांच टीमें बनाई गईं, जिनमें अश्रु गैस, केन पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, और रिजर्व पार्टी शामिल थीं।

ड्रिल के दौरान उपद्रवियों की भूमिका निभाते हुए पुलिसकर्मियों ने नारेबाजी करते हुए पत्थर फेंके, जिसके जवाब में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग किया। अधिकारियों ने इस दौरान स्थिति को काबू करने के तरीके और संयमित बल प्रयोग के बारे में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया।

पुलिस अधिकारियों ने बलवा मॉक ड्रिल के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अभ्यास के दौरान की गई गलतियों और समस्याओं के बारे में समझाइश दी, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना किया जा सके।

निवास चौकी पुलिस की कार्रवाई, रेत का अवैध परिवहन करते टीपर वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में लगातार रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन जारी है। शनिवार को निवास चौकी पुलिस ने बिना टीपी लिए रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रक को पकड़ा है। अवैध रेत और टीपर वाहन सहित दोनों की कुल कीमत 2 लाख 58 हजार हैं।

निवास चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रियंका सिंह ने बताया कि गस्त के दौरान महुआ गांव बरका रोड में टीपर क्रमांक एमपी 53 ब्र 1950 का चालक वाहन में रेत लोड कर परिवहन करते मिला। जिसे रोक कर टीपी चेक की गई तो वाहन में कोई भी टीपी नहीं पाई गई। इसलिए वाहन में लोड रेत अवैध रूप से परिवहन करता हुआ पाया गया है।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित, अंतिम तिथि 10 अक्टूबर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उप संचालक सह परियोजना संचालक आत्मा ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले के सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन "आत्मा" योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए जिला स्तर और विकासखण्ड स्तर पर सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार दिये जाएंगे। इसके लिए जिले के सर्वोत्तम प्रगतिशील उन्नत खेती करने वाले इच्छुक कृषक स्वयं द्वारा अपनायी जा रही गतिविधियों (उच्च उत्पादकता के आधार पर) परियोजना संचालक (आत्मा) किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशु चिकित्सा सेवाऐं, मत्स्यपालन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के विकासखण्ड व जिला कार्यालय एवं विकासखण्ड स्तर पर संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के कार्यालय स्तर पर आत्मा परियोजना के बी.टी.एम. और ए.टी.एम. से निर्धारित फार्म प्राप्त कर 10 अक्टूबर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं।जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार की राशि 25 हजार रुपये, विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार की राशि 10 हजार रुपये एवं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के रूप में 20 हजार रुपये दिये जाएंगे। उन्होंने कृषक भाइयों से समय सीमा में आवेदन करने का अनुरोध किया है।

शहडोल में शादी का झांसा देकर रेप

नाबालिग के परिजन ने युवक के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ दूर के रिश्तेदार युवक ने शादी का झांसा देकर जंगल ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। शनिवार को परिजनों ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई है। थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी ने बताया कि आरोपी युवक ने किशोरी को शादी का झांसा देकर अपने वाहन में बैठा लिया और पाली रोड में स्थित ग्रीन गार्डन के आगे जंगल ले गया। जंगल में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाएं। किशोरी ने आरोपी को मना किया।

लेकिन आरोपी युवक ने किशोरी की बात नहीं मानी और जबरदस्ती उसके साथ घटना को अंजाम दिया है। जब किशोरी घर पहुंची तब परिजनों को घटना की जानकारी दी। जानकारी जब परिजनों को लगी। तब वह पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई।

दिव्यांगजन उपकरण के चिन्हांकन एवं मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र के लिए विकासखंडवार शिविर आयोजित

284 दिव्यांग जनों के बने प्रमाणपत्र, 282 दिव्यांगजनों को उपकरण के लिए किया गया चिन्हांकित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन और अपर कलेक्टर एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय राजेश शाही के मार्गदर्शन में जिले के सभी जनपदों में दिव्यांगजन उपकरण हेतु चिन्हांकन और मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र (यूडीआईडी कार्ड) तैयार करने के लिए 5 दिवसीय शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिन्हांकन करना और जिनके पास यूडीआईडी कार्ड नहीं थे, उनके प्रमाण पत्र मेडिकल बोर्ड द्वारा तैयार करना था।

जनपद पंचायत सिहावल में 31 दिव्यांगजनों का उपकरण हेतु चिन्हांकन किया गया तथा 46 व्यक्तियों के मेडिकल बोर्ड (यूडीआईडी कार्ड) प्रमाण पत्र बने। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में उपकरण हेतु चिन्हांकन 80 तथा 59 दिव्यांगजन मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र बने, जनपद पंचायत मझौली में उपकरण हेतु चिन्हांकन 40 तथा 73 दिव्यांगजन मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र बने, जनपद पंचायत कुसमी में उपकरण हेतु चिन्हांकन 17 तथा 60 दिव्यांगजन मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र बने, जनपद पंचायत सीधी में उपकरण हेतु चिन्हांकन 114 तथा 46 दिव्यांगजन मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र बने।

इस शिविर में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट डॉ दीपक त्रिपाठी व पुनर्वास विशेषज्ञ विशेष शिक्षक शिवांसु शुक्ला द्वारा दिव्यांगजन को उनके मेडिकल प्रमाण पत्र और उपकरण चिन्हांकन हेतु महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। इनके समर्पण ने शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। शिविर के आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं और सहयोग प्रदान किया, जिससे दिव्यांग जनों को समय पर सभी सुविधाएं मिल सकीं। इसके साथ ही, मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों डॉ. अरविंद सोनी, डॉ. लक्ष्मण पटेल, डॉ. प्रियंका मँडराह, डॉ. अविनाश जान धुर्वे, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. रवि शंकर पटेल और ऑडियोलॉजिस्ट अलिसा नाज ने भी इस शिविर में सक्रिय भागीदारी निभाई। इन सभी चिकित्सकों के सहयोग से मेडिकल प्रमाण पत्र तैयार करने की प्रक्रिया सुगम हुई। इसके अतिरिक्त, समस्त जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं समग्र सामजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी सूरज सिंह, प्रदीप द्विवेदी, जयराज सिंह, नारायण बैगा, प्रीती वर्मा ने दिव्यांग जनों को शिविर तक लाने और ले जाने, साथ ही शिविर आयोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने में भी सहयोग प्रदान किया, ताकि शिविर सफलतापूर्वक संचालित हो सके। जिन दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्रों की जांच की आवश्यकता थी उन्हें सिविल सर्जन डॉ. दीपारानी इसरानी के निर्देशानुसार, मंगलवार और गुरुवार को मेडिकल बोर्ड में उपस्थित होकर जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सियादुलारी, निवासी ग्राम पुरुषोत्तमगढ़, पो0 सेमरिया, तहसील गोपद बनास, जिला सीधी (मध्य प्रदेश) है। मेरी जन्म तिथि 1974 है। जबकि मेरे पुत्र राजप्रकाश शुक्ला जो भारतीय सेना में पदस्थ हैं, उनके दस्तावेजों में भी मेरा नाम सियावती शुक्ला अंकित है।, जो कि गलत है। मेरा सही नाम सियादुलारी (Shiyadulari) है। आज से मेरा सही नाम सियादुलारी पढ़ा व समझा जाए।

सूचनादाता
सियादुलारी
ग्राम-पुरुषोत्तमगढ़, पो.-सेमरिया
तहसील-गोपद बनास, जिला- सीधी (मध्य प्रदेश)

विचार

राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश कर रहे राहुल

यह कहना मुश्किल है कि राहुल की हालिया गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों से उनके राजनीतिक उद्देश्य कितनी पूर्ति होगी, परंतु दो बातें स्पष्ट है। पहला— उनके बयान का इस्तेमाल देशविरोधी शक्तियां, भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करने के लिए करेंगी। दूसरा— इससे विदेश तक सीमित खालिस्तान आंदोलन को भी बल मिलेगा, जिसका देश के भीतर बहुत कम आधार है। बीते दिनों नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) और कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, अमेरिका में अपने विवादित वक्तव्यों के कारण चर्चा में रहे। इसमें उनका सबसे अधिक खतरनाक बयान सिखों को लेकर रहा। 10 सितंबर को वाशिंगटन में भारतीय प्रवासियों के समूह से मुखातिब होते हुए राहुल कहा, लड़ाई इस बात की है कि एक सिख होने के नाते क्या उन्हें भारत में पगड़ी।।। कड़ा पहनने की अनुमति मिलेगी? सिख होने के नाते वे भारत में गुरुद्वारा जा सकते है? यह लड़ाई सिर्फ इनके लिए ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले मार्च 2023 में अपनी यूनाइटेड किंगडम यात्रा के दौरान भी राहुल ने इसी प्रकार की बातें कही थी। राहुल की इन टिप्पणियों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेबुनियाद बयान दिया है। उनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर भारत का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को खराब करना और देशविरोधी शक्तियों से अपने लिए समर्थन जुटाना है। क्या स्वतंत्र भारत में सिखों को किसी प्रकार का मजहबी भेदभाव झेलना पड़ता है? देश की कुल आबादी में सिख लगभग दो प्रतिशत हैं और उन्हें देश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में कई प्रमुख स्थान प्राप्त हैं। डॉ। मनमोहन सिंह के रूप में दो बार लगातार सिख प्रधानमंत्री (2004-2014) रहे हैं। वर्ष 1982-87 तक (दिवंगत) ज्ञानी जैल सिंह भी देश के राष्ट्रपति रहे। असंख्य सिखों ने देश की विभिन्न अदालतों के साथ चुनाव आयोग रूप संवैधानिक पद और सेना, व्यापार, प्रशासनिक और खेल आदि विभिन्न क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं और ऐसा आज भी है। देश को उनपर गर्व करता है। पंजाब से कहीं गुना अधिक गुरुद्वारे शेष भारत में है, जिनके प्रति हिंदुओं की भी स्वाभाविक श्रद्धा है। दरअसल, राहुल गांधी देश में सिख उत्पीडन् के जिस दौर की बात कर रहे हैं, जिसमें सिखों का पगड़ी पहनना, लंबे केश रखना और उनका कड़ा तक धारण करना तक मुहाल हो गया था— वह असल में नवंबर 1984 का समय था। उसी वर्ष 31 अक्टूबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा निर्मम हत्या करने के बाद प्रतिक्रियास्वरूप दिल्ली-एनसीआर और देश के कुछ क्षेत्रों में हजारों निरपराध सिखों को मौत के घाट (जीवित जलाने सहित) उतारा गया था।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर बिखरे हैं प्रकृति, वन्य जीवन, धरोहर और अध्यात्म के चटख रंग

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

भारत का हृदय 'मध्यप्रदेश' अपनी नैसर्गिक सुन्दरता, आध्यात्मिक ऊर्जा और समृद्ध विरासत के चलते सदियों से यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। आत्मा को सुख देनेवाली प्रकृति, गौरव की अनुभूति करानेवाली धरोहर, रोमांच बढ़ानेवाला वन्य जीवन और विश्वास जगानेवाला अध्यात्म, इन सबका मेल मध्यप्रदेश को भारत के अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। इस प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के पर्यटकों के लिए कई चुबकीय स्थल हैं, जो उन्हें बरबस ही अपनी ओर खींच लेते हैं। यह प्रदेश उस बड़े हृदय के मेजबान की तरह है, जो किसी भी अतिथि को निराश नहीं करता है। वैभव की इस भूमि पर पराक्रम की गाथाएं सुनाते और आसमान का मुख चूमते दुर्ग हैं।

भारत का जिब्राल्टर 'ग्वालियर का किला', महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहनेवाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्यप्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहाँ प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे। ओंकारेश्वर, जहाँ आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्यप्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग- महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहाँ द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढ़ाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है।

मध्यप्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चम्बल के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा माँ नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्यप्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहाँ सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्यप्रदेश सफ़ेद बाघ 'मोहन' का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतुहल बढ़ानेवाले बालक 'मोगली' का भी जन्मस्थान है। सर विलियम हेनरी स्लीमन ने %एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स% शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्डलाइफ पर्यटन मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही %द लेपर्ड स्टेट% और %घड़ियाल स्टेट% का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घडियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चम्बल के बीहड़ अब डोल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डोल्फिन चम्बल सफारी में पाए जाते हैं। जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्यप्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाडा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छिपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्यप्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलने वाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नजारों में खोना चाहते हैं। सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्यप्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में यूनेस्को की 'विश्व विरासत' की सूची में मध्यप्रदेश के चार स्थल है- बुद्ध का सन्देश देते साँची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिन्ह भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं। मध्यप्रदेश का कोई कोना ऐसा नहीं है, जो पर्यटन की दृष्टि से मरुस्थल हो। ग्वालियर के आसपास ककनमठ, मितावली, पड़ावली, दतिया, सोनागिर, ओरछा, चंदेरी और शिवपुरी का एक ट्रेवल रूट बनता है। भोपाल के आसपास साँची, विदिशा, ग्यारसपुर, उदयगिरी की गुफाएं, भोजपुर, भीमबेटका, देलावाडी और रायसेन एक पर्यटन स्थल समूह बनता है। इंदौर को केंद्र मानकर उज्जैन, हनुमंतिया, ओंकारेश्वर, ब्रह्मपुर (बुरहानपुर), महेश्वर और मांडू का एक पर्यटन स्थल का समूह बनता है। वहीं, जबलपुर से भेड़ाघाट, बरगी, बांधवगढ़, अमरकंटक, कान्हा और पेंच जा सकते हैं। खजुराहो के साथ ओरछा, अजयगढ़, चित्रकूट, मुकुंदपुर वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, संजय राष्ट्रीय उद्यान, मैहर और हीरों के साथ अपने जंगलों के लिए प्रसिद्ध पन्ना के पर्यटन स्थल घुमे जा सकते हैं। उधर, सतपुड़ा की रानी 'पचमढ़ी' के साथ मढ़ई, तवा, तामिया और पातालकोट का एक पर्यटन समूह बनता है। मध्यप्रदेश के पर्यटन, उसकी समृद्ध विरासत और गौरव का दर्शन करना है तो एक बार मध्यप्रदेश गान पढ़/सुन लेना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार महेश श्रीवास्तव ने इस गीत में मध्यप्रदेश की एक खूबसूरत और गौरवपूर्ण तस्वीर उतार दी है।

हवाईअड्डों पर चेक इन

डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है और साथ ही फेशियल रिकग्निशन और अन्य डाटा के दुरुपयोग की चिंता भी बढ़ती जा रही है। देश के करीब दो दर्जन हवाईअड्डों पर डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसकी मदद से यात्री बिना कोई दस्तावेज दिखाए आसानी से हवाईअड्डों पर चेक इन करते हैं। अब तक 55 लाख लोगों ने यह ऐप डाउनलोड किया और तीन करोड़ लोगों ने यात्रा के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इसके इस्तेमाल को लेकर पहले भी यात्रियों की निजता से जुड़ी चिंता जताई गई थी लेकिन अब पता चला है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुद ही इस पर सवाल उठाए हैं। सूचना के अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी के आधार पर एक खबर आई है, जिसमें कहा गया है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि निजी कंपनियों द्वारा फेशियल रिकग्निशन तकनीक का दुरुपयोग हो सकता है और इससे लोगों को सुरक्षा देने के लिए अतिरिक्त उपाय करने की जरुरत है। हालांकि नागरिक विमानन मंत्रालय का कहना है कि डिजीयात्रा ऐप को यात्रियों के चेक इन के लिए डी फैक्टो गेटवे बना दिया जाए। यानी एक मंत्रालय इसके इस्तेमाल से सुरक्षा को खतरा बता रहा है तो दूसरा मंत्रालय इसे हर हवाईअड्डे पर हर यात्री के लिए अनिवार्य करने की बात कर रहा है। सवाल है कि जब इस ऐप को वैकल्पिक बनाया गया है और इसे लॉन्च करते समय कहा गया कि यह यात्रियों की मर्जी पर है कि वे इसे चुनते हैं या नहीं तो फिर ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसके इस्तेमाल के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है?

आतंकवादियों को ठोंकते रहने की घोषणा कर दुनिया में खलबली मचा दी है

नीरज कुमार दुबे

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में जोरदार भाषण दिया। हम आपको बता दें कि उन्होंने अपने संबोधन में लेबनान में ईरान समर्थित लड़ाकों पर हमलों को जारी रखने की कसम खाई। नेतन्याहू के भाषण पर गौर करें तो युद्ध विराम की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। नेतन्याहू ने लेबनानी हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच बढ़ते संघर्ष का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, जब तक हिजबुल्लाह युद्ध का रास्ता चुनता है, इजराइल के पास कोई विकल्प नहीं है और इजराइल को इस खतरे को दूर करने और हमारे नागरिकों को सुरक्षित उनके घरों में वापस भेजने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा, इजराइल लगभग एक साल से इस असहनीय स्थिति को सहन कर रहा है। खैर, मैं आज यहां यह कहने आया हूं कि अब बहुत हो गया। हम आपको बता दें कि जब नेतन्याहू अपना भाषण देने के लिए पहुंचे, तो कई प्रतिनिधिमंडल बाहर चले गए, जबकि गैलरी में मौजूद उनके समर्थक इजराइल और नेतन्याहू के पक्ष में नारे लगा रहे थे। हम आपको बता दें कि दक्षिणी लेबनान में, इजराइल ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला करना जारी रखा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र में राजनयिकों ने आशंका जताई है कि यह हमले एक व्यापक युद्ध में बदल सकते हैं। राजनयिकों को आशंका है कि युद्ध अगर बढ़ा तो इसमें इजरायल का कट्टर दुश्मन ईरान भी शामिल हो सकता है। हम आपको बता दें कि अपने भाषण में नेतन्याहू ने संघर्ष के लिए ईरान को दोषी ठहराने की कोशिश की, जिसका प्रतिनिधिमंडल भाषण के लिए अनुपस्थित था। उन्होंने कहा कि इज़राइल तेहरान के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है, जिसमें गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हौथिस शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान में ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ इज़राइल का लंबा हाथ न पहुँच सके। उन्होंने कहा कि कोई हमें बलि का बकरा नहीं समझे क्योंकि इजराइली सैनिक किसी भी दुस्साहस का जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने कहा, इस सभा और इस हॉल के बाहर की दुनिया के लिए मेरे पास एक और संदेश है- हम जीत रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि नेतन्याहू ने शुक्रवार को पहले कहा था कि इज़राइल आने वाले दिनों में लेबनान के लिए युद्ध विराम प्रस्तावों पर चर्चा जारी रखेगा लेकिन बाद में उन्होंने जोर देकर कहा कि इज़राइल का अभियान जारी रहेगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सभा को बताया, हम हिज़्बुल्लाह को तब तक नीचा दिखाते रहेंगे जब तक कि हमारे सभी उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते। इज़राइली प्रधान मंत्री ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कड़ी कार्रवाई का भी आह्वान किया, जिसमें प्रमुख विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौते के तहत 2015 में हटाए गए संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की वापसी भी शामिल है। नेतन्याहू ने कहा, मैं सुरक्षा परिषद से ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों को वापस लेने का आह्वान करता हूं, क्योंकि हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करना चाहिए कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिलें। हम आपको बता दें कि सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव, जिसने परमाणु समझौते को सुनिश्चित किया और संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को बहाल करने की शक्ति प्रदान की, वह अक्टूबर 2025 में समाप्त हो रहा है। नेतन्याहू ने अपनी पिछली प्रतिज्ञाओं को दोहराया कि इज़राइल ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि ईरान अब आपके सभी देशों की शांति और सुरक्षा के लिए अपने परमाणु कार्यक्रम को हथियार बनाना चाहता है और मैं आपको आश्वासन देता हूं कि इज़राइल यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करेगा कि ऐसा न हो। गाजा में संघर्ष पर, जहां अमेरिकी नेतृत्व वाली युद्ध विराम वार्ता रुकी हुई है, नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध समाप्त हो सकता है यदि हमास के उग्रवादी जिन्होंने 7 अक्टूबर को इजरायल में हमला किया था, आत्मसमर्पण कर दें, अपने हथियार डाल दें और हमले में पकड़े गए बंधकों को वापस कर दें। उन्होंने कहा, हम तब तक लड़ेंगे जब तक हमें जीत नहीं मिल जाती, पूर्ण जीत नहीं मिल जाती, इसका कोई विकल्प नहीं है। भाषण के दौरान, उन्होंने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा पकड़े गए बंधकों के परिवारों की हॉल में मौजूदगी का हवाला दिया। हम आपको याद दिला दें कि युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायली लोगों पर हमला किया, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधकों को वह वापस गाजा ले गए। तब से, इजरायल की सेना ने घेरे हुए फिलिस्तीनी एन्क्लेव के बड़े हिस्से को समतल कर दिया है, जिससे लगभग 2.3 मिलियन लोग बेघर हो गये हैं और भुखमारी व तमात तरह की बीमारियां फैल गई है और 41,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इस बीच, हमास के वरिष्ठ अधिकारी सामी अबू जुहरी ने इजराइल के प्रधानमंत्री के भाषण की निंदा करते हुए कहा है कि नेतन्याहू का भाषण झूठ और विरोधाभासों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के हॉल से कई प्रतिनिधिमंडलों का वापस लौटना यह संदेश देता है कि नेतन्याहू के झूठ पर अब कोई विश्वास नहीं करता। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू का हमास से आत्मसमर्पण करने का आह्वान बकवास है; आत्मसमर्पण आंदोलन की शब्दावली में नहीं है और समस्या कब्जे के अस्तित्व में है, न कि उन लोगों में जो खुद का बचाव कर रहे हैं।

कर्मचारियों की हड़ताल से कामकाज ठप

कलेक्टोरेट से लेकर कई विभागों में काम प्रभावित रहा, बारिश में भीगते हुए धरने पर डटे रहे

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में शुक्रवार को कर्मचारियों की प्रदेशव्यापी सामूहिक हड़ताल के चलते जिला मुख्यालय सहित तहसील और ब्लॉक में कामकाज ठप रहा। रजिस्ट्री, कलेक्टोरेट से लेकर नई-पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग सहित विभिन्न विभाग के कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हुआ। अधिकारी जरूर अपने अपने कार्यालयों में पहुंचे पर बिना कर्मचारियों के कहीं पर भी फाइलों की मूवमेंट नहीं हुई। छत्तीसगढ़ लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी ने दावा किया कि बिलासपुर जिले के 30 हजार सहित छत्तीसगढ़ के करीब साढ़े चार लाख कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर काम बंद हड़ताल पर रहे।

बारिश में भीगते कर्मचारी नेहरू चौक पर धरना देते रहे: सुबह से रुक-रुककर हो रही बारिश के बावजूद हड़ताली कर्मचारी नेहरू चौक पर भीगते रहे पर धरना पंडाल पर प्रदर्शन से पीछे नहीं हटे। कर्मचारियों ने अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर जुलूस निकाल कर कलेक्टोरेट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम संयुक्त कलेक्टर पात्रे को मांगों का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में छग प्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी अध्यक्ष रोहित तिवारी, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन संभागीय प्रभारी जीआर चंद्रा, जिला संयोजक बीपी सोनी, जिला महासचिव किशोर शर्मा, विवेक दुबे, सुनील यादव, राखी कौशिक, पुष्पा श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

इन मागों को लेकर हुई हड़ताल छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, बिलासपुर ने प्रांतीय बैठक के निर्णय अनुसार शुक्रवार को सामूहिक अवकाश लेकर कलम बंद , काम बंद हड़ताल तथा जिला मुख्यालय में सामूहिक धरना दिया। हड़तालियों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर दिन भर धरना, प्रदर्शन, नारेबाजी की।

मांगे इस प्रकार रहीं: भाजपा के घोषणा पत्र अनुसार प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान 1 जनवरी 2024 से 4 फीसदी महंगाई भत्ता, साथ ही जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्तों के एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ खाते में किया जाए।

प्रदेश के शासकीय सेवकों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए।

केंद्र के समान गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए।

भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र के अनुसार मध्यप्रदेश सरकार की तरह छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवकों को अर्जित अवकाश नगदीकरण 240 दिन के स्थान पर 300 दिन किया जाए।

युवक ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर मार डाला

जाल से मछली चुराने के आरोप पर मारा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक बुजुर्ग को युवक ने पीट-पीटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि मछली चोरी का आरोप लगाकर वारदात को अंजाम दिया है। आसपास के लोगों ने लाश देखकर पुलिस को जानकारी दी। मामला ककटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार का है। मिली जानकारी के मुताबिक 30 वर्षीय बहादुर कंवर ने 65 वर्षीय बुजुर्ग लाल जी पाटले की हत्या की है। पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा, जहां से पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

जाल में मछली गायब देखकर भड़का युवक: पुलिस ने बताया कि आरोपी बहादुर कंवर अपने खेत के पास मछली पकड़ने के लिए जाल लगाया हुआ था, जिसे देखने वह रोज जाया करता था। 27 सितंबर को बहादुर जब फिर खेत देखने गया, तो जाल में एक भी मछली नहीं थी। इसे देखकर वह परेशान हो गया।

मछली को लेकर विवाद के बाद मर्डर: पड़ोस के खेत में ही काम कर रहे ग्रामीण चंदनपुर गांव के रहने वाले लाल जी पाटले से मछली चुराने को लेकर विवाद हो गया। मछली चोरी का आरोप लगाकर आरोपी ने बुजुर्ग को जमकर पीटा। पिटाई में बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को गांव से ही हिरासत पर लिया गया। इस दौरान उससे पूछताछ में जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

पति-पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दीवार पर लिखा- सोसाइटी अध्यक्ष से तंग आकर दे रहे जान, टीआई बोले- जांच के बाद कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में टेलर और उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। दोनों लखराम में बुनकर सहकारी समिति का काम देखते थे। पति ने दीवार में लिखा है कि, सोसाइटी अध्यक्ष की वजह से उन्हें जान देना पड़ रहा है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, अकलतरा निवासी परसराम देवांगन टेलरिंग का काम करता था। उसके बच्चे अकलतरा में रहते हैं। परसराम अपनी पत्नी पार्वती देवांगन के साथ कुछ दिनों से ग्राम लखराम स्थित देवांगन समाज के सामुदायिक भवन में रहता था।

दोनों पति-पत्नी यहां बुनकर सहकारी समिति का कामकाज देखते थे। शनिवार की सुबह पति-पत्नी की लाश भवन के एक कमरे में फांसी पर लटकी मिली। गांव के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

दीवार में लिखा सुसाइड नोट: जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम गांव पहुंची। इस दौरान सामुदायिक भवन की जांच की। जहां दीवार पर एक सुसाइड नोट लिखा है कि, सोसाइटी के अध्यक्ष सतीश देवांगन से तंग आकर आत्महत्या करना पड़ रहा है।

ट्रक की टक्कर से पति को चोट,पत्नी का टूटा पैर

पेड़ को तोड़ते हुए ट्रक घुसा, ब्रेक फेल होने से हादसा

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग निप्र। दुर्ग जिले में जेके लक्ष्मी सीमेंट फैक्ट्री जा रहे ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। ट्रक चालक ने पहले तो बाइक सवार दंपति को चपेट में ले लिया। इसके बाद पेड़ को तोड़ते हुए सड़क किनारे घुस गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला के नंदिनी थाना क्षेत्र का है।

नंदिनी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर 3.15 बजे की है। कंदई निवासी योगेश कुर्रे (34) अपनी पत्नी दौवना बाई कुर्रे (26) को बाइक पर बैठाकर जा रहा था। इस दौरान ब्रेक फेल होने से ट्रक चालक अपना संतुलन खो बैठा। बाइक सवार को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी।

टक्कर से पत्नी का पैर टूट गया: बताया जा रहा है कि हादसे में दोनों सड़क से दूर जा गिए। इसमें पति और पत्नी का गंभीर चोटें आई। पत्नी का पैर टूट गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत डायल 112 को फोन किया। पुलिस की गाड़ी आई और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

पेड़ को तोड़ते हुए खेत में जा घुसा ट्रक: टीआई मनीष शर्मा ने बताया कि ट्रक काफी तेज रफ्तार में था। इससे ड्राइवर ने उसे खेत की तरफ मोड़ दिया। इससे ट्रक एक बड़े पेड़ से टकराते हुए खेत में जा घुसा। टक्कर इतनी तेज थी की पड़ा सा पेड़ टूट कर ट्रक पर जा गिरा।

2 दिन पहले ट्रक की चपेट में आने से दो की मौत: आपको बता दें कि बीती देर रात अमलेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर पाटन मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक सीजी04 एमटी 4049 ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे उसके पीछे आ रही बाइक सीजी04पीके2758 सवार तीन लोग ट्रक के पिछले हिस्से में जा टकराए। इससे बाइक चला रहे सकरा निवासी राजकुमार बंजारे की मौके पर ही मौत हो गई। उसके पीछे बैठे गोविंदा डहरिया और सूरज बघेल उर्फ चुकी बघेल को गंभीर चोटें आई हैं। इनका रायपुर में इलाज चल रहा है।

बच्ची की बेरहमी से पिटाई

महिला पर बच्चों को बंधक बनाकर गांजा बिकवाने का आरोप, एसपी बोले- एफआईआर दर्ज करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले के मणिपुर में एक बच्ची की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सामने आया है। जिसमें महिला उसे पाइप से पीट रही है। पिता अपनी बेटी को छोड़ देने की गुहार लगा रहा है, लेकिन वो मारपीट करती दिख रही। घटना मणिपुर थाना क्षेत्र के मठपारा बस्ती की है।

आरोप है कि, प्रीति सिंह उर्फ जरही गांजा बेचती है। कई बच्चों को अपने पास बंधक बनाकर उनसे भी गांजा बेचवाती है। इस मामले में एडिशनल एसपी ने कहा कि, महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाएगा।

बच्चों से गांजा बिकवाने का आरोप: वायरल वीडियो में महिला कह रही है कि, वो पूरे मोहल्ले को गांजा पिलाती है। आरोप है कि वह ग्रामीण इलाके के नाबालिग बच्चों को अपने पास रखती है। उनसे गांजा बिकवाती है। कई बार वो बच्चों को बेरहमी से पीटती है। कुछ बच्चियां वहां से भाग गई थी। इसलिए उन्हें घर बुलाया और पिटाई की।

मोहल्ले के लोग खाते हैं खौफ: मठपारा स्थानीय लोगों को कहना है कि, प्रीति सिंह का पूरे इलाके में आतंक है। पुलिस कर्मियों की भी जानकारी में है कि वो गांजे का कारोबार करती है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। मोहल्ले के लोग भी उससे खौफ खाते हैं।

एफआईआर दर्ज होगी, तलाश जारी- एसपी: इस मामले में सरगुजा एसपी अमोलक सिंह ने कहा कि, महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। वीडियो के आधार पर पीड़ित की तलाश की जा रही है। महिला के गांजा बेचने को लेकर भी जांच कराई जा रही है। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कब्र खोदकर निकाली लाश

3 दिनों से लापता युवक का शव खेत में दफन मिला, जिसकी जमीन, उसने भी खाया जहर

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में एक खेत में दफन लाश को पुलिस ने निकाला है। शव की शिनाख्त 34 साल के खिलेश्वर साहू के रूप में हुई है। खिलेश्वर 3 दिन से लापता था। वहीं लाश निकाले जाने के बाद उस खेत के मालिक ने जहर खा लिया है। मामला पिथौरा थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, खिलेश्वर 25 सितंबर 2024 की रात से घर से लापता था। परिजन उसकी खोजबीन करते रहे। थक हार कर परिजनों ने 48 घंटे बाद पिथौरा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

खेत के आसपास बदबू की सूचना दी गई थी: पिथौरा थाना पुलिस खिलेश्वर की तलाश में जुटी थी। इसी बीच सराईटार गांव के ग्रामीणों ने शुक्रवार की रात एक खेत से बदबू आने की सूचना दी। यह खेत किसान पीतांबर ध्रुव का बताया गया। शनिवार की सुबह कार्यपालक मजिस्ट्रेट और फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस किसान पीतांबर के खेत पहुंची।

कब्र से खोदकर शव बाहर निकाला: पुलिस ने खेत में खोजबीन की, मेड़ पर उन्हें कब्र बनी हुई दिखाई दी। पुलिस ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव को निकाला। मृतक अमलीडीह का रहने वाला है। फॉरेंसिक टीम को मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं।

पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। गुम इंसान की लाश खेत के मेड़ पर किसने और क्यों दफनाई, इन तमाम पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

जमीन मालिक ने की खुदकुशी की कोशिश: वहीं लाश निकाले जाने के बाद भूमि स्वामी पीताम्बर ध्रुव ने जहर खा लिया। किसान को इलाज के लिए महासमुंद मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक डर की वजह से किसान ने जहर खाया है।

एसपी ने कहा- हत्या की आशंका: एडिशनल एसपी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि चोट के निशान मिले हैं। हालांकि चोट दफनाने के दौरान की है या फिर कोई अन्य तरह की चोट है यह पोस्टमॉर्टम के बाद ही क्लियर हो पाएगा। पहली नजर में हत्या की आशंका ज्यादा है।

एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी का सघन निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय पिपरिया, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरिया एवं शासकीय हाई स्कूल पिपरिया प्राथमिक विद्यालय कठौतिया, पूर्व माध्यमिक विद्यालय कठौतिया एवं प्राथमिक विद्यालय, डोमनापारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय डोमनापारा का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा छात्र-छात्राओं को हिंदी, अंग्रेजी गणित तथा पहाड़ा से संबंधित अनेक सवाल किया साथ ही शिक्षा गुणवत्ता, साफ-सफाई, समय पर विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान भोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र की जानकारी ली इस अवसर पर डॉ विनोद पांडे प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल पिपरिया उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

गौरेला से गुजरात भगाकर ले गया था, साथ देने वाले दोस्त को 3 साल जेल

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में नाबालिग को गुजरात ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 साल और घर से भगाने में मदद करने वाले साथी को 3 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश किरण थवाईत पेंड्रारोड ने फैसला सुनाया है। इसके साथ ही अर्थदंड की सजा भी सुनाई है। अर्थदंड न चुका पाने की स्थिति में आरोपी को 1 साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। मामले में पंकज नगायच अतिरिक्त लोक अभियोजक ने पैरवी की।

गुजरात ले जाकर किया शारीरिक शोषण: मामला मई 2022 का गौरेला थाना का है, जहां दुष्कर्म के आरोपी अमन सिंह राठौर (19) और उसके साथी निखिल राठौर (19) निवासी भदौरा गौरेला के रहने वाले है। आरोपी अमन राठौर नाबालिग को बहला फुसलाकर विवाह का झूठा प्रलोभन देकर राजकोट गुजरात भगा कर ले गया था।

नाबालिग को भगाने में दिया साथ, दोस्त को भी सजा: गुजरात में आरोपी नाबालिग का शारीरिक शोषण करता रहा। दुष्कर्म के आरोपी के साथी निखिल राठौर ने इस वारदात में आधी रात को नाबालिग को घर से भगाने में साथ दिया था। गौरेला पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था।

चोरों ने 3 लाख के जेवर चुराकर खेत में गाड़ा

रिटायर्ड टीचर के घर बोला था दावा, 3 गिरफ्तार और एक फरार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ निप्र। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में रिटायर्ड शिक्षक के घर चोरों ने धावा बोल दिया। 2 लाख 80 हजार के सोने चांदी के जेवरात और करीब 15-20 हजार कैश की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जेवर को चुराकर खेत में गाड़ दिया था। पुलिस ने नाबालिग समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के पतरापारा का है।

मिली जानकारी के मुताबिक 24 सितबंर को रिटायर्ड शिक्षक महावीर प्रसाद वर्मा (85) के घर में चोर ताला तोड़कर घुसे। घर से कैश और जेवरात चुराकर ले गए। मामले में महावीर वर्मा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाज पुलिस ने आरोपियों की पतासाजी की और पकड़ा।

आरोपियों ने चोरी करना कबूल किया: इस दौरान पुलिस ने धरमजयगढ़ के तुर्रापारा में रहने वाले सागर सारथी (21) को हिरासत में लिया। सागर सारथी ने अपने 2 और साथियों के साथ चोरी करना कबूल किया। बताया कि उसके साथी रोहन सारथी और एक नाबालिग भी है।

खेत में छिपा रखा था जेवरात: पूछताछ में जानकारी मिली कि आरोपी सागर ने रोहन और नाबालिग को 2-2 हजार रुपए कैश दिया। साथ ही घरघोड़ा में रहने वाले साथी सुमित को 7000 रुपए देकर कुछ सोने चांदी के जेवरात बिक्री के लिए दे दिया।

इसके अलावा अपने पास रखे कुछ जेवरात को एक काले रंग के कपड़े और प्लास्टिक में बांधकर खेत में छिपा दिया था। जानकारी लगने के बाद पुलिस ने खेत से उन जेवरातों को बरामद कर लिया है।

एक आरोपी हुआ फरार: घरघोड़ा का सुमित उरांव उर्फ सर्किट जिसे बेचने के लिए जेवरात दिया था, वह जेवरात लेकर फरार हो गया है। पुलिस ने उसे भी पकड़ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। बताया जा रहा है कि सागर आदतन आरोपी है। उसके खिलाफ कई प्रकरण धरमजयगढ़ थाना में दर्ज है।

रात में जेवरात ढूंढने खेत में पहुंचे: धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुशाम ने बताया कि सागर से पूछताछ के बाद गुरूवार की रात करीब तीन बजे नाला किनारे खेत में पहुंचे। जेवरात ढूंढने का प्रयास किया गया, लेकिन रात में पता नहीं चल सका। सुबह दोबारा खेत में जांच करने पर जेवरात मिल गया है। कुछ जेवरात सुमीत लेकर फरार है, उसकी तालाश की जा रही है। जल्द ही उसे भी पकड़ लिया जाएगा।

जनपद पंचायतों में विकासखण्ड समन्वयक एवं तकनीकी सहायक के संविदा पद हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिला पंचायत (डीआरडीए) जिला मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी -भरतपुर कार्यालयीन विज्ञापन क्रमांक /10452/प्रधा.मं.आ.यो.ग्रा./ जि.पं./2024 मनेन्द्रगढ़ दिनांक- 25.09.2024 द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जिले के जनपद पंचायतों में विकासखण्ड समन्वयक 01 पद (अजजा मुक्त) एवं तकनीकी सहायक 01 पद (अजजा महिला) संविदा भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था।

एअर इंडिया फ्लाइट के खाने में कॉकरोच मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट के नाश्ते में एक कॉकरोच मिला। घटना 17 सितंबर की है। एक महिला ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके मामले की जानकारी दी। पैसेंजर महिला ने बताया कि उन्हें और उनके 2 साल के बेटे को फूड पॉइजनिंग हुई। अब वे एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर नहीं करेंगी। एअर इंडिया ने मामले को लेकर माफी मांगी है। एयरलाइन मैनेजमेंट ने कहा कि वे पैसेंजर के एक्सपीरियंस को लेकर चिंतित हैं। वे मामले की जांच करेंगे। साथ ही कैटरिंग सर्विस देने वाली कंपनी से भी बात करेंगे। 1. फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए मां-बेटे सुयशा सावंत नाम की एक महिला अपने दो साल के बच्चे के साथ दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही थी। इस दौरान नाश्ते में ऑमलेट मिला। मैंने अपने बेटे के साथ नाश्ता किया। हम नाश्ता ही कर रहे थे कि मुझे कॉकरोच दिख गया। मैं घबरा गई। थोड़ी ही देर में पेट दर्द होने लगा। महिला ने बताया कि इसके बाद उन्हें और उनके बेटे को फूड पॉइजनिंग हो गई। 2. एअर इंडिया की फ्लाइट में सफर करने में डर लग रहा महिला ने बताया कि उनकी फैमिली ज्यादातर एअर इंडिया में ही सफर करती है। कई बार बहुत परेशानी झेली है, लेकिन अब कॉकरोच का मिलना कुछ ज्यादा ही बड़ी घटना है। अब हमें एअर इंडिया के साथ सफर करने में डर लग रहा है।

डॉक्टरों की निगरानी में इच्छामृत्यु को लेकर गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु यानी गंभीर रूप से बीमार मरीजों का लाइफ सपोर्ट हटाने को लेकर नई गाइडलाइन का ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि डॉक्टरों को कुछ शर्तों को ध्यान में रखकर बेहद सोच-समझकर ये फैसला लेना होगा कि मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाना चाहिए या नहीं। गाइडलाइन्स में चार शर्तें तय की गई हैं, जिनके आधार पर यह फैसला लिया जाएगा कि लाइफ सपोर्ट को रोकना मरीज के हित में उचित है। यह तब किया जाएगा जब यह साफ हो कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज को लाइफ सपोर्ट से कोई फायदा होने की संभावना नहीं है, या लाइफ सपोर्ट पर रखने से मरीज की तकलीफ बढ़ने और गरिमा को नुकसान पहुंचने की संभावना हो। आईएमए अध्यक्ष बोले- इन गाइडलाइन से डॉक्टर तनाव में आएंगे सरकार की इन गाइडलाइन्स को लेकर मेडिकल फ्रेटरनिटी में असंतोष देखा जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. आर.वी. असोकन ने कहा कि ये दिशा-निर्देश डॉक्टरों को कानूनी जांच के दायरे में लाएंगे और उन पर तनाव डालेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे क्लिनिकल फैसले डॉक्टर्स नेक-नीयत से लेते हैं। ऐसे हर केस में मरीज के परिजन को स्थिति समझाई जाती है और पूरी जानकारी दी जाती है। हर पहलू पर अच्छे से गौर करने के बाद ही फैसला लिया जाता है। ऐसी गाइडलाइन बनाना और कथित तौर से ऐसा दावा करना कि डॉक्टर गलत फैसले लेते हैं या फैसले लेने में देर करते हैं, ये हालात को गलत तरीके से दिखाने की बात है।

बेंगलुरु कोर्ट का निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर का आदेश

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की एक स्पेशल कोर्ट ने 27 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वित्त मंत्री पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है जनाधिकार संघर्ष परिषद के आदर्श अय्यर ने बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने समत्व भवन से सोयाबीन उपार्जन, खाद उपलब्धता और वितरण की वीसी से की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उर्वरक की मांग बढ़ने पर कालाबाजारी, अवैध भंडारण, नकली उर्वरक निर्माण की संभावना रहती है। पुलिस का सहयोग लेते हुए निरीक्षण और चेकिंग की व्यवस्था को बढ़ाया जाए। कालाबाजारी करने वालों, मिलावट, मिस ब्रांडिंग और नकली उर्वरक खपाने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उर्वरक अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए एक जिले से दूसरे जिले में उर्वरक मूवमेंट पर सतत् निगरानी रखें। कालाबाजारियों और अवैध कारोबारियों के विरूद्ध नियमानुसार राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) में भी कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से सोयाबीन उपार्जन, खाद उपलब्धता और वितरण की वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर -कमिश्नर से चर्चा कर उक्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ 2024-25 के लिए प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्राइस सपोर्ट स्कीम में मध्यप्रदेश को सोयाबीन उपार्जन की दी गई स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश में उपार्जन के समुचित बेहतर प्रबंध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आवश्यकतानुसार डीएपी के स्थान पर एनपीके, लिक्विड नैनो यूरिया के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाए। किसानों द्वारा इनके उपयोग से देश की अन्य राष्ट्रों पर निर्भरता भी कम

होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरीफ 2024 में एनपीके का उपयोग 45 प्रतिशत होने पर प्रसन्नता जताई जो कि वर्ष 2023-24 में मात्र 26 प्रतिशत था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि राजस्व अमला जनप्रतिनिधियों के साथ फसलों की क्षति आंकलन सुनिश्चित करें। खाद भंडारण के लिए डबल लॉक की आवश्यकता होने पर कृषि उत्पादन आयुक्त से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमानक स्तर का खाद-बीज विक्रय, भंडारण और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रबी 2024-25 के लिए खरीफ 2024 के अनुसार ही उर्वरक वितरण के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रबी 2024-25 के लिए भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं।

सीईसी बोले- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 26 नवंबर से पहले होंगे

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार (28 सितंबर) को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है। राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू दो दिन के महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उन्होंने यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा उन्होंने शिवसेना, शिवसेना यूबीटी, मनसे, बसपा, आप समेत 11 पार्टियों से मुलाकात की। सभी पार्टियों ने मांग की है कि दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाए। हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों का तबादला करने का अनुरोध किया है, जो अपने गृह जिले या मौजूदा पोस्टिंग में 3 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं। यह वोटर्स का अधिकार है कि उन्हें पता हो किस कैंडिडेट का क्रिमिनल बैकग्राउंड है। पार्टियों को अपने कैंडिडेट के बारे में ये जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। महाराष्ट्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करते तीनों चुनाव आयुक्त। महाराष्ट्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करते तीनों चुनाव आयुक्त।

राहुल के राममंदिर में नाच-गाना वाले बयान से संत नाराज

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में राहुल गांधी के नाच-गाना वाले बयान को लेकर अयोध्या के साधु-संतों ने नाराजगी जताई है। राहुल ने 26 सितंबर को हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था, अयोध्या के राम मंदिर के उद्घाटन में राष्ट्रपति को नहीं आने दिया गया। उनसे कहा गया कि आप आदिवासी हो। आप अंदर आ ही नहीं सकती, अलाउ नहीं है।

अयोध्या में नाच-गाना चल रहा है। उनके बयान पर राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा, कांग्रेस सरकार शुरू से कह रही है कि राम का अस्तित्व नहीं है। ऐसे में उनके नेता तो ऐसा बोलेंगे ही। जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। प्राण प्रतिष्ठा को राहुल अगर नौटंकी बता रहे हैं, तो उनकी ऐसी भावना रही होगी। उनकी नजर में यह नौटंकी है, लेकिन भक्तों की नजर में प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसमें भगवान श्रीराम की बालक रूप में स्थापना हुई है।% वहीं, हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा, राहुल गांधी की बुद्धि खराब हो गई है। उन्हें यह नहीं पता है कि 500 साल के संघर्ष के बाद यह पल आया। अयोध्या में मंदिर खोला, वहां अडाणी दिखे, अंबानी दिखे, पूरा बॉलीवुड दिख गया, लेकिन एक भी गरीब किसान नहीं दिखा। सच है... इसलिए तो अवधेश ने इनको पटका है। अवधेश वहां के एमपी हैं। इसलिए तो वो जीता है। सबने देखा, आपने राम मंदिर खोला, सबसे पहले आपने राष्ट्रपति से कहा कि आप आदिवासी हो। आप अंदर आ ही नहीं सकती, अलाउ नहीं है। आपने किसी मजदूर, किसान, आदिवासी को देखा, कोई नहीं था वहां। डांस-गाना चल रहा है। प्रेस वाले हाय-हाय कर रहे हैं, सब देख रहे हैं।हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा, %राहुल का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। हम निंदा करते हैं। मांग करते हैं, उन हिंदू संगठन और सेक्युलर लोगों से कि वो राहुल के लिए प्रार्थना करें।

पंजाब में किसानों ने सड़क पर फेंकी धान

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में शनिवार को किसान मजदूर संघर्ष कमेटी ने सड़कों पर धान (बासमती) फेंककर प्रदर्शन किया। किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों में धान लेकर ष्ठष्ट ऑफिस में पहुंचे थे। यहां उन्होंने पहले अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। उसके बाद उन्होंने ऑफिस के बाहर सड़क पर धान फेंकनी शुरू कर दी। इसके बाद धान फेंकते हुए अमृतसर के भंडारी पुल तक गए। उन्होंने करीब साढ़े 3 किलोमीटर एरिया तक धान फेंकी। उनका कहना था कि प्राइवेट कंपनियां किसानों से सस्ते में चावल खरीद रही हैं। इसके बाद महंगी दरों पर चावल को बाजार में बेचा जा रहा है। सस्ती खरीद से हर किसान को प्रति एकड़ 25 से 30 हजार तक नुकसान हुआ।

बासमती चावल की सही तरीके से खरीद नहीं की:किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि फसलों की खरीद के लिए गारंटी कानून की मांग क्यों हो रही है, इसका एक मुख्य कारण यह है कि इस सीजन में बासमती की किस्म 1509 और 1692 अनियमित तरीके से खरीदी गई। ??किसानों को लूटा गया। इस पर विपक्ष भी कुछ नहीं बोल रहा।

किसानों को किया जा रहा गुमराह: उन्होंने कहा कि कृषि को बाजार अर्थव्यवस्था से जोड़ने को अच्छा कदम बताकर किसानों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। इस बार किसानों की बासमती को प्राइवेट खरीददारों द्वारा आधी कीमत पर लूटने की पोल खुल गई है।

सीजेआई ने कहा- न्याय व्यवस्था दिव्यांग बच्चों की परेशानियां समझे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि न्याय व्यवस्था को दिव्यांग बच्चों की जरूरतों को समझना चाहिए। मेरी दो दिव्यांग बेटियां है, जिन्होंने मेरा दुनिया देखने का नजरिया ही बदल दिया है। सीजेआई बाल संरक्षण पर नौवे नेशनल एनुअल स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन वर्कशाप को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और जस्टिस नागरत्ना ने दिव्यांग व्यक्तियों पर हैंडबुक जारी की। यह समाज को सही शब्दावली का इस्तेमाल करने में मदद करेगी। विकलांगता लिंग, जाति और आर्थिक स्थिति के साथ मिलकर और भेदभाव पैदा करती है सीजेआई ने कहा कि हमारी न्याय व्यवस्था में पुलिस से लेकर कोर्ट रूम तक दिव्यांग बच्चों की परेशानियों को समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शारीरिक चुनौतियों के साथ-साथ समाज में मौजूद गलत धारणाओं का भी सामना करना पड़ता है। दिव्यांग लिंग, जाति और आर्थिक स्थिति के साथ मिलकर और भी अधिक भेदभाव पैदा करती है। रेस्टोरेटिव जस्टिस के तरीकों को शामिल करने पर जोर दिया उन्होंने जूडिशल सिस्टम में पुनर्स्थापनात्मक न्याय (रेस्टोरेटिव जस्टिस) के तरीकों को शामिल करने पर जोर दिया, जिससे बच्चों को शिक्षा और वोकेशनल ट्रेनिंग मिल सके। समानता, सम्मान और भेदभाव न होना दिव्यांग बच्चों के मौलिक अधिकार है। चार मुद्दों पर पॉलिसी मेकर्स को ध्यान देने के लिए आग्रह किया सीजेआई ने चार बातों पर न्यायपालिका और पॉलिसी मेकर्स को ध्यान देने के लिए कहा-

समस्या को पहचानना- उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्यांग बच्चों का कोई डाटा नहीं जो सेक्सुअल ऑफेंस से पीड़ित होते हो या कानून के साथ कैसे भी टकराते हैं।

कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार को एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। गोलीबारी में सेना के 4 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं। पांचों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है। साउथ कश्मीर के डीआईजी जाविद इकबाल मट्टू ने भास्कर को बताया कि आदिगाम एनकाउंटर में मारे गए दोनों आतंकियों की पहचान हो गई है। इनमें एक आतंकी आकिब अहमद शेरगोजरी जो बडगाम के चड़ूरा का रहने वाला है। दूसरा आतंकी उमैस वानी है, जो कुलगाम के ही चावलगाम का रहने वाला है। दोनों आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करते थे। कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार सुबह 7:05 बजे एक्स पर पोस्ट के जरिए मुठभेड़ की जानकारी दी। बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। उधर, जम्मू में कठुआ जिले के लहरी गांव रसानी में भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है।

हरियाणा में कांग्रेस का मेनिफेस्टो

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 40 पन्ने का मेनिफेस्टो जारी कर दिया है। इसे चंडीगढ़ में चुनाव ऑब्जर्वर अशोक गहलोत, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने जारी किया। मेनिफेस्टो में कांग्रेस ने दावा किया कि 18 से 60 साल की महिलाओं के खाते में हर महीने खटाखट 2 हजार रुपए आएंगे। लोगों को 25 लाख तक फ्री इलाज मिलेगा। महिलाओं को सरकारी नौकरी में 33 प्रतिशत आरक्षण देंगे। किसानों की हर पैदावार एमएसपी पर बिकेगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करेंगे। 2 लाख सरकारी नौकरी और सरकारी विभागों में ठेके पर भर्ती बंद होगी। पंजाब-हरियाणा

के बीच विवादित सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर रहेंगे। हरियाणा कौशल रोजगार निगम बंद करेंगे। किसानों से जुड़े पोर्टल बंद करेंगे। परिवार पहचान पत्र पोर्टल को रिव्यू करेंगे। सरकारी नौकरी में खेल कोटा बहाल होगा। शहीद परिवारों को 2 करोड़ की राशि दी जाएगी। हालांकि सबसे खास बात यह है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अग्निवीर को लेकर कोई जिक्र नहीं है। कांग्रेस लगातार चुनाव में अग्निवीर को शहीद का दर्जा न देने और पेंशन छीने जाने का विरोध करती रही है। 7 दिन पहले दिल्ली में कांग्रेस प्रदेश के लोगों के लिए 7 गारंटियां दे चुकी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुआई में 7 वादे-पक्के इरादे के नाम से इसे जारी किया गया था।

शिक्षा- शिक्षकों के खाली पद भरेंगे। राज्य शिक्षक चयन आयोग बनाया जाएगा। श्री गुरू गोबिंद सिंह जी और संत रविदास जी के नाम पर विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे। मेवात में यूनिवर्सिटी बनाएंगे। हर विधानसभा में एक महिला कॉलेज, हर ब्लॉक में महिला आईटीआई बनाएंगे। राज्य शिक्षक सम्मान वाले शिक्षकों की सेवा में 2 साल की बढ़ोत्तरी होगी।

स्वास्थ्य- हर जिले में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सरकारी नर्सिंग कॉलेज, पैरा मेडिकल, मेडिकल तकनीशियन संस्थान खोलेंगे। राजस्थान कांग्रेस सरकार की तरह चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख तक निशुल्क इलाज के लिए कैश लैस बीमा योजना लागू करेंगे।

मणिपुर में फिर हिंसा, मैतेई गांव पर फायरिंग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार, 28 सितंबर को फिर हिंसा हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध उपद्रवियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। गांव के वालंटियर ने जवाबी कार्रवाई की। फिलहाल गोलीबारी जारी है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। दूसरी तरफ, चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में आज बंद का दूसरा दिन है। इसके कारण बाजार बंद रहे। सड़कें वीरान दिखीं। अधिकारियों ने बताया कि कुकी-जो समूहों ने दोनों जिलों में रविवार, 29 सितंबर तक बंद का आह्वान किया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन सहित अन्य कुकी समुदाय सिक्योरिटी एडवाइजर कुलदीप सिंह के बयान का विरोध कर रहे हैं। कुलदीप सिंह ने 20 सितंबर को दावा किया था कि मणिपुर में म्यांमार से 900 कुकी

उग्रवादी घुस गए हैं। कुलदीप सिंह के मुताबिक, ये उग्रवादी ड्रोन बम, प्रोजेक्टाइल, मिसाइल और गोरिल्ला युद्ध में ट्रेंड हैं। ये 30-30 लोगों के ग्रुप में हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे हुए हैं। वे 28 सितंबर के आसपास मैतेई गांवों पर हमले कर सकते हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने 25 सितंबर को ऐसे किसी हमले का दावा वापस ले लिया था। मणिपुर पुलिस ने शनिवार, 28 सितंबर को बयान जारी कर बताया कि सुरक्षाबलों ने तीन जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया है। मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की एक जॉइंट टीम ने कांगपोकपी जिले के लोइचिंग रिज से दो .303 राइफल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, कारतूस, चार हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर और एक देसी मोर्टार और लंबी दूरी का इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जब्त किया है। पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर जिले के गोथोल गांव में एक अन्य सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान दो मोर्टार जब्त किए गए, जिन्हें स्थानीय तौर पर पम्पी कहा जाता है। राज्य पुलिस और असम राइफल्स ने थौबल जिले में फीनोम पहाड़ी रेंज से 4 एचई-36 हैंड ग्रेनेड, दो पम्पी शेल, 3 डेटोनेटर और एक स्टन ग्रेनेड, स्टिंगर ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले भी जब्त किए। सभी हथियार शुक्रवार, 27 सितंबर को जब्त किए गए।

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम पर खेला जा रहा है। मैच का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया, जहां खिलाड़ियों और अंपायरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पहले गीली आउटफील्ड के चलते टॉस में देरी हुई, फिर लंच ब्रेक के बाद बारिश के चलते देरी हुई और फिर बारिश के चलते पहले दिन का खेल समय से पहले ही खत्म करना पड़ा। बांग्लादेश ने 35 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाए हैं। बारिश के कारण टॉस देरी से हुआ जो रोहित शर्मा ने जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लंच ब्रेक तक तो बांग्लादेश ने दो विकेट पर 74 रन बना लिए थे। आकाशदीप ने दो विकेट झटके, उन्होंने जकिर हसन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच आउट कराया। जबकि आकाशदीप ने शदमान इस्लाम को भी पवेलियन भेजने का काम किया। बांग्लादेश को तीसरा झटका आर अश्विन ने दिया, उन्होंने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को एलबीडब्ल्यू किया। लेकिन इसके बाद बारिश फिर से शुरू हो गई। पूरे मैदान को कवर्स से ढका गया और बारिश बंद होने का इंतजार हो रहा था। लेकिन बारिश ने पहले दिन का खेल बिगाड़ दिया। आखिर में बीसीसीआई ने अपने अधिकारिक एक्स हैंडल से दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म करने का अपडेट दिया। पहले दिन कुल 35 ओवर की ही गेंदबाजी हो पाई।

देश का पहले गोल्डन ब्वाय हैं अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी की 28 सितंबर को खेल जगत के निशानेबाज अभिनव बिंद्रा अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। अभिनव ने निशानेबाजी में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने साल 2008 में चाइना की धरती पर भारत के स्वर्णिम स्वप्न को साकार करने का काम किया। अभिनव ने पहली बार ओलंपिक खेलों के किसी भी इंडीविजुअल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम लहराया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... उत्तराखंड के देहरादून में 28 सितंबर 1982 को अभिनव बिंद्रा का जन्म हुआ था। उन्होंने दो साल तक दून स्कूल में पढ़ाई की। स्कूली पढ़ाई के दौरान ही वह शूटिंग में दिलचस्पी पैदा हो गई। शूटिंग के प्रति अभिनव का जुनून देखकर उनके पेरेंट्स ने घर पर ही शूटिंग रेंज बनवाया, जिससे वह आसानी से प्रैक्टिस कर सकें। अभिनव ने बचपन से ही शूटिंग में हाथ आजमाना शुरूकर दिया था। जो आगे चलकर उनके कॅरियर के लिए फायदेमंद साबित हुआ। साल 1998 में महज 15 साल की उम्र में अभिनव बिंद्रा ने राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। उस दौरान वह सबसे कम उम्र के प्रतिभागी थे। भले ही अभिनव की उम्र कम थी, लेकिन वह जुनूनी थे। उन्होंने सबसे बड़ी सफलता तब प्राप्त की, जब साल 2001 के म्यूनिख विश्व कप में 597/600 के नए जूनियर विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। उस साल अभिनव बिंद्रा को राजीव गांधी खेल रत्न से नवाजा गया था।

डीआरएस फैसला देख हैरान रह गए रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच के दौरान रोहित शर्मा ने एक ऐसा रिएक्शन दिया जिसाक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस रोहित शर्मा के इस रिएक्शन को काफी पसंद भी कर रहे हैं।

रोहित के इस रिएक्शन की वजह गेंदबाज आकाशदीप हैं। दरअसल, आकाशदीप के कहने पर रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एक रिव्यू लिया जो सटीक बैठा और फैसला भारत के पक्ष में रहा। जिसके बाद कप्तान का रिएक्शन देखने लायक था। बता दें कि, बांग्लादेश की पारी के 13वें ओवर के दौरान आकाशदीप ने पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को विकेट के आगे फंसाया। ऑनफील्ड अंपायर ने नॉटआउट करार दिया, लेकिन आकाशदीप को भरोसा था कि वह एलबीडब्ल्यू हो जाएंगे। रोहित शर्मा रिव्यू लेने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन आकाशदीप ने उन्हें जिद करके मना लिया। जब थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा तो उन्होंने बॉल ट्रैकिंग में पाया कि गेंद सीधा विकेट पर जाकर लग रही थी।

रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा अनिल कुंबले का सालों पुराना रिकॉर्ड, एशिया का सबसे ज्यादा टेस्ट...

कानपुर नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। हालांकि, बारिश के कारण पहले दिन का खेल बाधित रहा। लेकिन इस दौरान भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने एक जादुई गेंद फेंक कर अनिल कुंबले का सालों पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। और एशियाई पिचों पर 420 विकेट का आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। अश्विन ने बांग्लादेश की सबसे मजबूत साझेदारी नजमुल शंटो और मोमिनुल हक की जोड़ी को तोड़ने का काम किया। बता दें कि, नजमुल शंटो और मोमिनुल हक ने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। भारतीय गेंदबाजों ने इस जोड़ी को तोड़ने के लिए काफी मशक्कत भी की। तभी आर अश्विन ने एक जादुई गेंद फेंकी और नजमुल शंटो अपना विकेट गंवा बैठे। मोमिनुल और शंटो के बीच 50 रनों की मजबूत साझेदारी हुई। 29वां ओवर आर अश्विन कर रहे थे, पहली चार गेंदें हो चुकी थईं और पांचवीं गेंद पर उनके सामने नजमुल शंटो थे। अश्विन ने शंटो को जाल में फंसाया और एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। अंपायर ने आउट दिया और शंटो ने तुरंत डीआरएस ले लिया। लेकिन डीआरएस में भी शंटो नहीं बच पाए और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। एशिया में भारत की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अब अश्विन के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड अनिल कुंबले और उनके नाम पर था। अनिल कुंबले के नाम एशिया में कुल 419 टेस्ट विकेट थे, जिसकी बराबरी अश्विन ने पिछले टेस्ट मैच में कर ली थी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर खेला गया था। जहां भारत ने 280 रनों से जीत दर्ज की थी।

बांग्लादेश क्रिकेट फैन टाइगर रोबी की कानपुर में हो गई पिटाई, मोहम्मद सिराज का नाम आ रहा सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर टेस्ट के पहले दिन बारिश के चलते सिर्फ 35 ही ओवर फेंके जा सके। हालांकि, इतने कम खेल के दौरान एक बड़ा बवाल हो गया। दरअसल, ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के एक फैन की जमकर पिटाई हो गई। बांग्लादेश के इस फैन का नाम टाइगर रोबी है और आरोप है कि कानपुर में भारतीय फैंस ने उनकी पिटाई कर दी। पिटाई के बाद टाइगर रोबी रोते हुए नजर आए और उन्हें पुलिस अस्पताल ले गई। वहीं कहा जा रहा है कि, इस बांग्लादेशी फैन ने मोहम्मद सिराज को गाली दी, हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। बांग्लादेश के फैन की पिटाई तो हो गई लेकिन सवाल ये है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों? आखिर क्यों टाइगर रोबी को पीटा गया? सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि टाइगर रोबी ने मैच के दौरान सिराज को गाली दी जिससे कानपुर के लोग गुस्से में आ गए थे। दावा तो ये भी है कि बांग्लादेश का ये फैन चेन्नई में भी टीम इंडिया के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था। वैसे कानपुर में बांग्लादेशी टीम का जमकर विरोध भी हो रहा था। बांग्लादेश की टीम जब कानपुर पहुंची थी तो कई संगठनों ने सड़क पर नारेबाजी की थी। हाल ही में बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिस्सा हुई थी जिसमें वहां के कई हिन्दू परिवारों को जानमाल का नुकसा हुआ था। अब बांग्लादेश फैन की पिटाई को उसी घटना को जोड़कर देखा जा रहा है हालांकि, ऐसा वहीं से भी साबित नहीं हुआ है।

मुशीर खान सड़क दुर्घटना के हुए शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान के भाई और मुंबई के बल्लेबाज मुशीर खान शुक्रवार दोपहर को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। जिस कारण वह मैदान से बाहर हो गए हैं। बता दें कि, मुशीर खान आजमगढ़ से लखनऊ जा रहे थे उसी दौरान ये सड़क हादसा हुआ। फिलहाल, मुशीर खान लखनऊ में होने वाले आगामी ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी 2024-25 सत्र की शुरुआत में मौजूद नहीं रह पाएंगे। इंडियन एक्स्प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक मुशीर अपने पिता नौशाद खान और दो अन्य लोगों के साथ शुक्रवार दोपहर यमुना एक्सप्रेसवे से होकर आजमगढ़ से लखनऊ जा रहे थे, तभी उनकी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। उनके पिता और दो अन्य लोगों को मामूली खरोंचें आई हैं, मुशीर को सिर में चोट लगी है। उन्हें गर्दन के पीछे दर्द महसूस हो रहा है। उन्हें आगे के इलाज के लिए पास के अस्तताल में भर्ती करवाया गया है।

इस युवा बल्लेबाज का गरज रहा बल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ कामिंदु मेंडिस रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी कर रहे हैं। श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी सेंचुरी ठोकी। कामिंदु मेंडिस सबसे कम पारियों में 5 शतक लगाने वाले एशियन बैटलर बन गए हैं। उन्होंने 13वीं पारी में 5वां शतक लगाकर इस मामले में सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी भी कर ली है। कामिंदु मेंडिस ने एक दिन पहले ही लगातार 8 टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। 25 साल के कामिंदु मेंडिस न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उस समय क्रीज पर उतरे जब दिनेश चांडीमल शतक बनाकर आउट हुए। उन्होंने श्रीलंका को धनंजय डिसिल्वा के साथ पांचवें विकेट केलिए 74 रन की साझेदारी कर 400 रन के पार पहुंचाया। धनंजय डिसिल्वा के आउट होने के बाद कामिंदु और सुल मेंडिस ने पारी को आगे बढ़ाया। इस साझेदारी के दौरान कामिंदु मेंडिस अपनी 13वीं पारी में ही इस मुकाम तक पहुंचे हैं। इस तरह उन्होंने सबसे कम पारियों में 5 शतक बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ड्रॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। ब्रैडमैन ने भी अपना 5वां शतक 13वीं पारी में बनाया था।

आईपीएल 2025 से पहले रिटेंशन नियम को लेकर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के रिटेंशन नियम की घोषणा जल्द ही हो सकती है। दरअसल, शनिवार को बेंगलुरु में आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग होनी है। जिसके बाद नए नियमों को लेकर ऐलान हो सकता है। रिटेंशन नियमों के साथ आईपीएल ऑक्शन की तारीख का भी खुलासा हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई टीमों को 5 या 6 प्लेयर्स के लिए आरटीएम का विकल्प दे सकती है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल गवर्निंग काउंसिल शनिवार को बेंगलुरु में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग के आईपीएल के नए रिटेंशन नियमों की घोषणा होगी। मेगा ऑक्शन से पहले नियमों में बदलाव भी हो सकते हैं। इस बार टीमों को 2 से 8 के बीट रिटेंशन का विकल्प मिल सकता है। लेकिन बीसीसीआई 5 से 6 खिलाड़ियों का विकल्प रख सकती है। गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में मेगा ऑक्शन की तारीख पर भी चर्चा हो सकती है।

टीम इंडिया के बेहतरीन प्रदर्शन पर झल्लाया ये बांग्लादेशी क्रिकेटर, गौतम गंभीर को लेकर निकाली भड़ास

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के क्रिकेटर तमीम इकबाल का मानना है कि गौतम गंभीर का बतौर कोच असली चेहरा अभी सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि, भारत अगर कुछ मैच या सीरीज हारेगा तब फिर चीजें सामने आएंगी। गौतम गंभीर अपने क्रिकेट करियर के दौरान काफी आक्रमक बल्लेबाज रहे हैं और उनकी कोचिंग में ये झलक देखने को मिल सकती है।

गंभीर ने जुलाई में भारतीय हेड कोच का पद संभाला था। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 3-0 से जीती, लेकिन वनडे सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने 280 रनों से पहला टेस्ट जीता। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टॉप पर मौजूद हैं। टीम अगले कुछ महीनों में करीब आठ टेस्ट मैच खेलने वाली है। बांग्लादेश के बल्लेबाज तमीम इकबाल ने कहा कि गंभीर टीम की अगुवाई करने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

लेकिन जब टीम कुछ मैच हारेगी तो उनका असली चरित्र तब सामने आएगा। वहीं तमीम इकबाल ने जियो सिनेमा पर कहा कि, जब आप जीते रहे हों, तो आप एक आदमी का असली चरित्र नहीं जानते। ये तब सामने आता है जब आप सीरीज हारते हैं और फिर दूसरा हारते हैं। तब असली चेहरा सामने आता है इसमें कोई शक नहीं है। वह सक्षम व्यक्ति है, लेकिन ये बहुत जल्दी है। भारत को खराब खेल खेलने दें, फिर हम देखेंगे कि क्या सामने आता है।

नतीजा इस पर निर्भर करेगा कि अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं हमारे बल्लेबाज-मैक्सवेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को लगता है कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मेजबान टीम के बल्लेबाज भारत की शीर्ष स्पिन जोड़ी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा से किस तरह निपटते हैं। भारत ने 2018-19 और 2020-21 के दौरे पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी और अब टीम की निगाहें लगातार तीसरी श्रृंखला कब्जाने पर लगी हैं। बल्कि भारत एशिया का एकमात्र देश है जिसने टेस्ट श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर शिकस्त दी है।

मैक्सवेल ने कहा कि अकसर अश्विन और जडेजा की जोड़ी खेल का नतीजा तय करती है। मैक्सवेल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, '' मेरा मानना है कि लंबे समय तक अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाजों के खिलाफ खेलने के बाद ऐसा लगता है कि हमने लगातार इन दोनों का सामना किया है। और अकसर उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का नतीजा तय करता है। '' मैक्सवेल हालांकि अब ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं और 2017 में अपना अंतिम टेस्ट खेलने के बाद उन्होंने कहा कि उनके देश के बल्लेबाजों को भारत के सीनियर स्पिनरों के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अश्विन और जडेजा ने मिलकर 330 पारियों में 821 विकेट झटके हैं जिसमें से 50 दफा वे पांच विकेट झटक चुके हैं। उन्होंने कहा, ''अगर हम इन दोनों (अश्विन और जडेजा) के खिलाफ अच्छा खेलते हैं तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। ये दोनों खिलाड़ी मेरे करियर में ज्यादातर समय गेंदबाजी करते रहे हैं। '' उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा करते हुए कहा, ''और अब जसप्रीत बुमराह। मैं 2013 में मुंबई में आईपीएल में उनके पहले सत्र में वहां था और नेट्स में लगभग हर दिन उनका सामना करता था। वह तब युवा प्रतिभा था और अब उसे इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है जो सभी तीनों प्रारूपों संभवत: सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

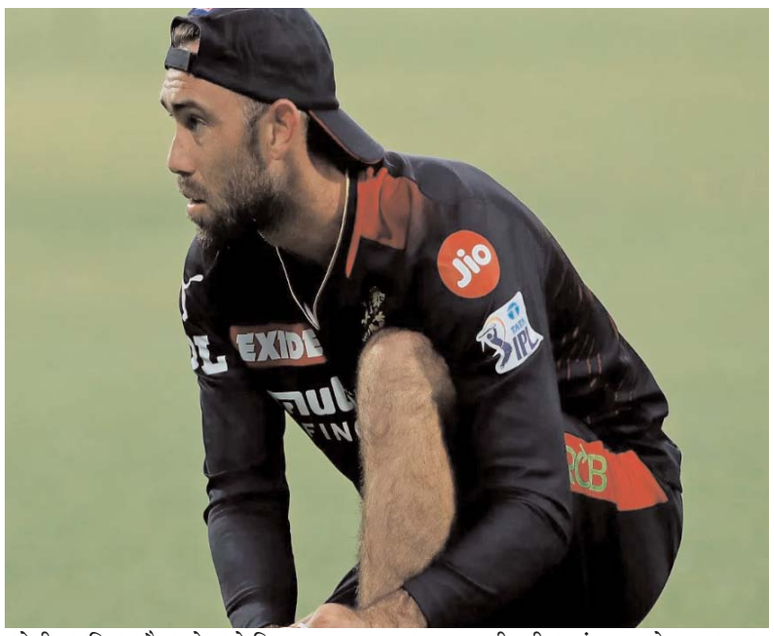

त्यौहारों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रबंध करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दिए निर्देश

कलेक्टर खाद के भण्डारण तथा वितरण पर कड़ी निगरानी रखें : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि आदान एवं सोयाबीन के उपार्जन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। कलेक्टर खाद के उठाव, भण्डारण और वितरण की कड़ी निगरानी रखें। खाद और बीज की गुणवत्ता की नियमित जाँच कराएं। खाद की कालाबाजारी तथा मिलावट करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर यूरिया और एनपीके खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। वर्ष 2023-24 में डीएपी के स्थान पर 26 प्रतिशत किसानों ने वैकल्पिक खाद का उपयोग किया जो खरीफ फसल में बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया है। किसानों को नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित करें। खाद की बिक्री के लिए जहाँ आवश्यक हो वहाँ डबल लाक सेंटर में निजी विक्रेताओं को खाद बेचने की अनुमति दें। साथ ही अतिरिक्त बिक्री केन्द्र बनाएं। कलेक्टर यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसानों को सरलता से खाद मिल सके। प्रभारी मंत्री अपने प्रभार के जिलों में खाद और बीज वितरण की नियमित समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोयाबीन के उपार्जन के लिए प्रदेश भर में 1400 से अधिक खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। जहाँ आवश्यक हो वहाँ नए खरीदी केन्द्र कलेक्टर बना लें। खरीदी केन्द्रों के साथ किसान 20 अक्टूबर तक ऑनलाइन पंजीयन भी करा सकते हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में सोयाबीन के उपार्जन एवं भण्डारण की उचित व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कुछ स्थानों में भारी वर्षा से फसलों को हानि हुई है। कलेक्टर क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कराकर किसानों को फसल बीमा तथा अन्य लाभ देना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि, दशहरा तथा दीपवली सहित कई त्यौहार आगामी महीनों में मनाए जाएंगे। त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रबंध करें। असामाजिक तत्वों पर लगातार कार्यवाही करें। कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी छात्रावास, स्कूल तथा कालेज का नियमित रूप से निरीक्षण करें। वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण की सतत निगरानी करें। वितरण में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। सड़कों से निराश्रित गौवंश को हटाने के लिए भी प्रभावी कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्रीगणों, सांसद तथा विधायकगणों से संवाद किया। सतना के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर अनुराग वर्मा, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, निगमायुक्त शेर सिंह मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, डीएमओ मार्फेड नेहा तिवारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार मैहर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में कलेक्टर रानी बाटड़, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, जिला खाद्य अधिकारी केएस भदौरिया, एग्रीकल्चर सुबोध जैन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राशन दुकान लटागांव के विक्रेता के विरूद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकान लटागांव में उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर पीओएस मशीन में उनके अंगुली छाप सत्यापन के बाद खाद्यान्न का वितरण नहीं कर हेराफेरी करने पर विक्रेता संतोष त्रिपाठी के विरुद्ध बदेरा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

कलेक्टर मैहर रानी बाटड को इस संबंध की शिकायत मिलने पर जिला खाद्य अधिकारी केएस भदौरिया को राशन दुकानों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य अधिकारी ने समिति प्रबंधक लटागांव के साथ आरोपी की मौजूदगी में राशन दुकान लटागांव में संग्रहित खाद्य सामग्री का स्टाक सत्यापन किया और उपभोक्ताओं के बयान लिपिबद्ध किये। जांच के दौरान पाया गया कि विक्रेता संतोष त्रिपाठी द्वारा घर-घर जाकर उपभोक्ताओं के फिंगर सत्यापन पीओएस मशीन पर किए हैं। लेकिन सामग्री का वितरण नहीं कर कूटरचित रूप से ऑनलाइन 247 क्विंटल गेहूं, 371 क्विंटल चावल, 2.59 क्विंटल शक्कर एवं 21 क्विंटल नमक का वितरण दर्शाया गया।

उचित मूल्य की दुकान के स्टाक सत्यापन में 180 क्विंटल गेहूं, 93 क्विंटल चावल, 12 क्विंटल शक्कर, 10 क्विंटल मूंग का स्टॉक भी कम पाया गया। इस तरह विक्रेता द्वारा लगभग 30 लाख 25 हजार 409 रुपए मूल्य के 993 क्विंटल खाद्यान्न का मिथ्या वितरण और खाद्यान्न की हेराफेरी स्वलाभ के लिए किया जाना पाया गया।

आरोपी राशन दुकान के विक्रेता संतोष त्रिपाठी द्वारा गंभीर अनियमितता एवं स्वलाभ के लिए की गई शासन से धोखाधड़ी पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की सुसंगत धाराओं के साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करने का आग्रह किया गया था। जिसके अनुसार जिला खाद्य अधिकारी के प्रतिवेदन पर मैहर जिले के बदेरा थाने में आरोपी संतोष त्रिपाठी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 और 7 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

दो अवैध कॉलोनियों पर बुल्डोजर एक्शन

नगर निगम ने बाइपास और टिकुरिया टोला में बन रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शहर में बिना अनुमति के बनाई जा रही दो अवैध कॉलोनियों पर शनिवार को नगर निगम ने बुलडोजर कार्रवाई एक्शन लिया है। निगम अमले ने इन कॉलोनियों में बनी सड़कों को उखाड़ दिया और नींव भी ढहा दी है।

जानकारी के मुताबिक, नगर निगम सतना के अवैध कॉलोनी सेल और अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शनिवार को सतना-मैहर बायपास पर पीएम आवास कॉलोनी और टिकुरिया टोला में निगम के जोन कार्यालय के पास बन रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। बाईपास पर लगभग डेढ़ एकड़ क्षेत्रफल में रुचि सोईं, हरीश सोईं औप स्वर्णलता सोईं बिना अनुमति के अवैध रूप से कॉलोनी विकसित कर रहे थे।

इसी तरह टिकुरिया टोला में सराफा कारोबारी बालमुकुंद अग्रवाल, अरुण कुमार अग्रवाल और गौरव अग्रवाल ने लगभग 2 एकड़ के क्षेत्र में प्लाटिंग कर रखी थी। अवैध रूप से बनाई जा रही इन कॉलोनियों में सड़क बना दी गई थी और प्लॉट काट दिए गए थे। नगर निगम से इन्हें नोटिस दिए गए थे और इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। इन्हें मोहलत भी दी गई लेकिन जब उन्होंने निगम की नोटिस को तवज्जो नहीं दी तो निगम प्रशासन ने बुल्डोजर एक्शन ले लिया। इस दौरान अधीक्षण यंत्री एसके सिंह, भवन अनुज्ञा अधिकारी अंशुमान सिंह और कॉलोनी सेल प्रभारी रामहर्ष मिश्रा मौके पर मौजूद रहे।

फास्टेक प्रशिक्षण के लिए नहीं देवें कोई शुल्क

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अभिहित अधिकारी ने सतना और मैहर जिले के खाद्य कारोबारी को सचेत किया है कि जिले में कुछ व्यक्ति या संस्थाएं कारोबारियों से सीधे संपर्क कर उन्हें फास्टेक का प्रशिक्षण प्राप्त करने को कहा जा रहा है और प्रशिक्षण शुल्क के नाम से 1200 का शुल्क भी प्राप्त किया जाता है इस संबंध में खाद सुरक्षा अधिकारी ने खाद्य कारोबारियों को सूचित किया है कि तथा कथित एजेंसियां जिस आदेश का हवाला देकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का दबाव बना रही हैं। वह आदेश वर्तमान में प्रभावी नहीं है। यदि कोई संस्था प्रशिक्षण शुल्क की मांग करती है तो उसे कोई भी शुल्क प्रदान नहीं करें।

कृषक पंजीयन कार्य के पर्यवेक्षण एवं मानीटरिंग के लिए लगाई गई डयूटी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर कृषक पंजीयन के दौरान पंजीयन कार्य की सघन पर्यवेक्षण एवं मानीटरिंग हेतु प्रत्येक पंजीयन केन्द्र पर कृषि, सहकारिता, राजस्व एवं खाद्य विभाग के एक-एक कर्मचारी की डयूटी लगाई गई है। कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार तहसील उचेहरा अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था उचेहरा में कृषि विस्तार अधिकारी ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, गुलगढी में पटवारी भागीरथ प्रजापति, लगरगवां में कृषि विस्तार अधिकारी रामसुशील गुप्ता तथा नोडल अधिकारी के रूप में सहकारिता निरीक्षक सुश्री मृगनयनी आठिया की डयूटी लगाई गई है। सेवा सहकारी समिति भटनवारा में कृषि विस्तार अधिकारी आत्मा सिंह, श्यामनगर में कृषि विस्तार अधिकारी कृष्णपाल बागरी, पतौरा में पटवारी रितुराज सिंह, तुशगवां में कृषि विस्तार अधिकारी गणेश प्रसाद पाण्डेय तथा नोडल अधिकारी के रूप में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विवेक सिंह बघेल की डयूटी लगाई गई है। इसी प्रकार तहसील नागौद अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित नागौद में कृषि विस्तार अधिकारी सुषमिता, सितपुरा में संध्या त्रिपाठी, सिंहपुर में राम सिंह, हरदुआ में पटवारी अनुराग गौतम, सुरदहा में पटवारी मृदुल कुमार पाण्डेय तथा नोडल अधिकारी के रूप में सहकारिता निरीक्षक आशीष अवस्थी की डयूटी लगाई गई है। साथ ही सेवा सहकारी समिति पतवारा में पटवारी सत्यम गुप्ता, शिवराजपुर में कृषि विस्तार अधिकारी राजकुमार पटेल, सेमरी में पटवारी अरविन्द कुमार पाण्डेय, जसो में कृषि विस्तार अधिकारी शंकर प्रसाद सेन, रौंड में पटवारी कालीचरण बागरी तथा नोडल अधिकारी के रूप में कनिष्ठ आपूर्ति शिखा गुप्ता की डयूटी लगाई गई है।

तहसील बिरसिंहपुर अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था बैरहना (हरिहरपुर) में कृषि विस्तार अधिकारी रोहित भाऊ, जैतवारा में पटवारी हिमांशु त्रिपाठी, मेहुति में कृषि विस्तार अधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह, पगारखुर्द में पटवारी रावेन्द्र कुमार तिवारी, शुकवाह में पटवारी रामदीन त्रिपाठी, बिरसिंहपुर में कृषि विस्तार अधिकारी ज्ञानेन्द्र कुमार को नियुक्त किया गया है। तहसील मझगवां अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था मझगवां में कृषि विस्तार अधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव, नयागांव चित्रकूट में पटवारी विजय बहादुर सिंह, हिरौंदी में कृषि विस्तार अधिकारी अजय कुमार बागरी, बरौंधा में कृषि विस्तार अधिकारी अरविन्द कुमार राठौर तथा नोडल अधिकारी के रूप में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार पाण्डेय की डयूटी लगाई गई है। तहसील कोठी अंतर्गत सेवा सहकारी मर्यादित बरहना में कृषि विस्तार अधिकारी निर्मल कुमार त्रिपाठी एवं कोठी के लिए शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव तथा नोडल अधिकारी के रूप में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भागवत प्रसाद द्विवेदी को नियुक्त किया गया है। तहसील रघुराजनगर अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था पडरौत में पटवारी पुष्पेन्द्र बागरी, मंडी सतना में महेन्द्र बागरी, भरजुना में कृषि विस्तार अधिकारी निलेश कुमार त्रिपाठी तथा नोडल अधिकारी के रूप में सहकारिता निरीक्षक सुजीत सिंह को नियुक्त किया गया है। तहसील कोटर अंतर्गत रामानुजम विपणन सहकारी समिति रामपुर बघेलान, रजरवार में पटवारी देवादत्त सिंह, अबेर में पटवारी राजकुमार सिंह, चूंद (तिहाई) में पटवारी सोनू सिंह तथा नोडल अधिकारी के रूप में सहकारिता निरीक्षक मनोज कुमार गोनकर की डयूटी लगाई गई है। तहसील रामपुर बघेलान अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था दैवरी चोरहट में पटवारी रजनीश कुमार साकेत, मनकहरी में पटवारी राजेश कुमार सिंह, जमुना में कृषि विस्तार अधिकारी शिवानी मिश्रा, सज्जनपुर में कृषि विस्तार अधिकारी अतुल कुमार मिश्रा, जनार्दनपुर में पटवारी दिलीप कुमार शर्मा, सरायं में कृषि विस्तार अधिकारी मुन्नी गन्धर्व, मंडी रामपुर में पटवारी विजय कुमार सिंह, त्योंधरा नम्बर 2 में पटवारी जीवेश सिंह, डेगरहट में पटवारी मनीष सिंह, गुडहुरू में पटवारी आरती सिंह तथा नोडल अधिकारी के रूप में सहकारिता निरीक्षक मनोज कुमार गोनकर की डयूटी लगाई गई है।

गैस एजेंसी के गोदाम में चोरी, रोशनदान की ग्रिल काटकर 44 सिलेंडर गायब कर दिए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रामपुर बाघेलान कस्बे में स्थित गैस एजेंसी से चोरों ने रसोई गैस सिलेंडर चोरी किया है। पुलिस चोरी की घटना की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक रामपुर बाघेलान कस्बे में स्थित रसोई गैस एजेंसी छवि इंडेन के गोदाम में घुसे चोरों ने रसोई गैस के 44 भरे सिलेंडर चोरी कर लिए। एजेंसी के ऑफिस के बगल में ही स्थित गैस गोदाम में चोर रोशनदान और खिड़की के ग्रिल काट कर दाखिल हुए।

सुबह जब कर्मचारी गोदाम पहुंचे तब चारी की जानकारी लगी। कर्मचारियों इसकी जानकारी एजेंसी मालिक और पुलिस को दी। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी की इस वारदात को अंजाम देने के लिए चोरों ने किसी वाहन का भी इस्तेमाल किया है। बताया गाया है कि यहां पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। रामपुर बाघेलान थाना पुलिस घटना का सुराग लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्दी ही चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

कृषि यंत्रों के अनुदान हेतु आवेदन आज तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु आवेदन पत्र 29 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। प्राप्त आवेदनों पर 30 सितंबर 2024 को लाटरी संपादित की जायेगी। सहायक कृषि यंत्री एचपी गौतम ने बताया कि आवेदन के साथ किसान को डिमांड ड्राफ्ट बनवाकर जमा करना होगा। कृषि यंत्र रीपर कम वाइंडर ट्रेक्टर चलित लक्ष्य 9, रीपर वाइंडर स्वचलित लक्ष्य 14, वीपर (ट्रेक्टर चलित/स्वचलित) लक्ष्य 10, रोटोकल्टीवेटर का लक्ष्य 16, मल्टीक्राप थ्रेसर/ एक्सियल फ्लो पैडी थ्रेसर लक्ष्य 14, थ्रेसर/मल्चर लक्ष्य 7 एवं धरोहर राशि 5 हजार रूपये तथा विनोविंग फेन (ट्रेक्टर/मोटर चलित) का लक्ष्य 16 एवं धरोहर राशि 2 हजार रूपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा करना होगा। इसी प्रकार मांग अनुसार कृषि यंत्र न्यूमेटिक प्लांटर, हैप्पी सीडर/सुपर सीडर, हेरेक/स्ट्रारेक, बेलर एवं हाइड्रालिक प्रेस स्ट्रा बेलर (ट्रेक्टर चलित) की धरोहर राशि 5 हजार रूपये की राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा करना होगा।

मैहर जिले के रामवदन पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी मैहर केएस भदौरिया द्वारा निरीक्षण करने पर पाया गया कि उचित मूल्य दुकान हरनामपुर, करैया देवरी, पोडी, परसोखा, डांडी, तिघराकला एवं वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 12 में खराब गुणवत्ता के चावल प्रदाय किया गया। उठाव के लिए निर्धारित एवं चालान में अंकित गोदाम अमन इंटरप्राइजेज से अन्य प्रतिबंधित लक्ष्मी नारायण वेयर हाउस गोदाम नम्बर 9 से अमानक सामग्री का उठाव कर शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में आपूर्ति कराई गई। कम्प्यूटर जनरेटेड चालान में केन्द्र प्रभारी मैहर से मिल-जुलकर कर जारी चालान में छुपाने का अनुचित प्रयास किया गया। सेक्टर क्रमांक 11 से संबंधित प्रत्येक कार्य का निष्पादन वाहन चालक के अतिरिक्त रानू उर्फ भूपेन्द्र पाण्डेय एवं उनके प्रबंधक अमित पाण्डेय द्वारा करवाया जाता है। खाद्यान्न के उठाव/आपूर्ति के लिए किसी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति बगैर नियम विरूद्ध नामक व्यक्ति को अधिकृत किया गया है। मुख्यमंत्री अन्नदूत योजना के निर्देशों के अनुसार कार्य संपादित नहीं किया जा रहा है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार निवासी ग्राम लटागांव तहसील मैहर के रामवदन पटेल को कलेक्टर मैहर ने नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया में निश्चेतना के क्षेत्र में हुई नई प्रगति कारगर सिद्ध होगी : उप मुख्यमंत्री

निश्चेतना विशेषज्ञों के राज्य स्तरीय वार्षिक सम्मेलन का उप मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया में निश्चेतना के क्षेत्र में हुई प्रगति कारगर सिद्ध होगी। रीवा में आयोजित होने वाले निश्चेतना विशेषज्ञों के राज्य स्तरीय वार्षिक सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों द्वारा आपस में विचार विमर्श के उपरांत जो परिणाम आएंगे वह न केवल शोध के क्षेत्र में अपितु मरीजों के उत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में भी मददगार होंगे। उप मुख्यमंत्री ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में इंडियन सोसायटी आफ एनेस्थेशियोलाजिस्ट्स की 38वें वार्षिक राज्य स्तरीय निश्चेतना विशेषज्ञों की कांफ्रेंस का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि इस कार्यशाला में देश-विदेश के निश्चेतना विशेषज्ञों द्वारा क्रिटिकल केयर, वेंटिलेटर एवं दर्द रहित चिकित्सा से जुड़े विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी जो असहनीय बीमारी में होने वाले दर्द को कम करने की पद्धतियों में चिकित्सकों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि रीवा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के साथ ही अन्य चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत चिकित्सकों के लिए यह कार्यशाला काफी कुछ सीखने व नई पद्धति से अवगत होने में सहायक होगी और मरीजों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने देश और विदेश से आए चिकित्सा विशेषज्ञों का रीवा में स्वागत किया और अपेक्षा की कि यह आयोजन चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने देश-विदेश से आए निश्चेतना विशेषज्ञों का सम्मान किया। उन्होंने इस अवसर पर स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यशाला में डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल ने कहा कि निश्चेतना विशेषज्ञों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों द्वारा निश्चेतना के क्षेत्र में नई प्रगति व खोज तथा इलाज की विधियों से रीवा के चिकित्सकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मरीज के वेंटिलेटर को मैनेज करने तथा बीमारी में दर्द को कम करने वाली पद्धति से भी चिकित्सक अवगत होंगे। डॉ अवतार सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में रीवा के चिकित्सकों द्वारा शोधपत्रों का प्रस्तुतिकरण भी किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ अरूण श्रीवास्तव, अधीक्षक संजय गांधी हास्पिटल राहुल मिश्रा, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल अक्षय श्रीवास्तव सहित देश-विदेश से आए निश्चेतना विशेषज्ञ तथा चिकित्सक उपस्थित रहे।

खरीफ की फसल के पंजीयन हेतु मैहर जिले में 23 पंजीयन केन्द्र संचालित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला आपूर्ति अधिकारी मैहर ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिये मैहर जिले में स्थापित सहकारी समितियों में फसल पंजीयन केन्द्र कार्यरत हैं। इन केन्द्रों में कृषक निःशुल्क फसल पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन केन्द्रों में सेवा सहकारी समिति जरियारी, सेवा सहकारी समिति मर्या बेरमा, सेवा सहकारी समिति वठियाखु, शारदा विपणन सहकारी समिति मर्या0 मैहर, सेवा सहकारी समिति आमातारा, सेवा सहकारी समिति झुकेही, शारदा विपणन सहकारी समिति मर्या0 मैहर, सेवा सहकारी समिति अमदरा, सेवा सहकारी समिति मर्यादित बदेरा, सेवा सहकारी समिति बदेरा, सेवा सहकारी समिति घुनवारा, सेवा सहकारी समिति तिघरा, सहकारी विपणन संस्था मर्या0 अमरपाटन, सेवा सहकारी संस्था ताला, सेवा सहकारी समिति रामगढ, सेवा सहकारी समिति धोबहट, सेवा सहकारी समिति ओबरा, सेवा सहकारी समिति मगराज, सेवा सहकारी संस्था अमरपाटन, सेवा सहकारी संस्था रामनगर, सेवा सहकारी समिति मनकीसर मडवार, सेवा सहकारी समिति मर्यादपुर तथा सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोविंदपुर के स्थलों पर भी फसल पंजीयन कराया जा सकता है।

इसके अलावा पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था तहसील, जनपद पंचायत तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र और एम. पी. किसान एप के माध्यम से कृषक निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।